हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार 18 मई 2026

12 'मेरा पानी-मेरी विरासत' योजना लागू : धान की सीधी बिजाई शुरू

12 स्वच्छता से महिलाएं स्वयं को गंभीर बीमारियों से रख सकेंगी सुरक्षित...

खबर संक्षेप

पुलिस ने दो युवकों को हेरोइन सहित दबोचा

फतेहाबाद। जिले में नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सीआईए रतिया पुलिस ने दो युवकों को 9.05 ग्राम हेरोइन सहित काबू किया है। सीआईए रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि एएसआई रघुबीर सिंह अपनी टीम के साथ फतेहाबाद में लाल बत्ती चौक के पास मौजूद थे। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि दो युवक मोटरसाइकिल पर सवार होकर एमएम कॉलेज मोड़ के पास नशीला पदार्थ बेचने आने वाले हैं। पुलिस ने नाकाबंदी कर मौके से दोनों आरोपियों को काबू कर लिया।

गांजा तस्करी मामले के सप्लायर को किया काबू

फतेहाबाद। गांजा तस्करी के एक मामले में तत्परता से कार्रवाई करते हुए थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान सागर निवासी अशोक नगर, फतेहाबाद के रूप में हुई है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है

ट्यूबवेल तार चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। थाना सदर टोहाना पुलिस ने खेतों में बने किसानों के ट्यूबवेलों से बिजली की तारें चोरी करने और उपकरणों में तोड़फोड़ करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान अमन निवासी अकांवाली के रूप में हुई है, जिसे अदालत के आदेश पर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

हथियारों का प्रदर्शन करने वाला युवक दबोचा

फतेहाबाद। सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन कर युवाओं को गुमराह करने और समाज में भय का माहौल पैदा करने वालों के खिलाफ भुना पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। पुलिस ने इंस्टाग्राम पर हथियारों के साथ फोटो व रील्स पोस्ट करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान पार्षिक उर्फ मोनू निवासी बैजलपुर के रूप में हुई है। थाना भुना प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि पुलिस टीम गांव बैजलपुर क्षेत्र में गश्त पर थी, इसी दौरान कार्रवाई की।

खेत की ढाणी से 95 लीटर लाहण बरामद

फतेहाबाद। अवैध और हथकढ़ शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सदर रतिया पुलिस ने एक व्यक्ति को 95 लीटर लाहण सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। सदर थाना प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि नागपुर पुलिस चौकी के हेड कांस्टेबल रोशनलाल की टीम गांव खुनन क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि गांव खुनन निवासी मुख्तयार सिंह अपने खेत की ढाणी में अवैध शराब तैयार करने का धंधा करता है।

शहरवासियों को दुर्गंध और धुएं से दोहरी परेशानी

हड़ताल खत्म, लेकिन कचरे के ढेर अब भी मुसीबत, खुले में जलाने से बढ़ा प्रदूषण

- सड़कों से प्लॉटों तक फैला कूड़ा नागरिकों में नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

सफाई संकट

नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त हुए कई दिन बीत चुके हैं, लेकिन शहर में सफाई व्यवस्था अब भी पूरी तरह पटरी पर नहीं लौट सकी है। हड़ताल के दौरान जमा हुआ कचरा अब नगर प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। शहर के मुख्य बाजारों, रिहायशी कॉलोनियों, प्रमुख सड़कों और कई खाली प्लॉटों में अब भी कचरे के बड़े-बड़े ढेर लगे हुए हैं। इससे लोगों को रोजमर्रा के आवागमन में दिक्कत के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हड़ताल खत्म होने के बाद नगर परिषद की डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण गाड़ियां दोबारा सड़कों पर उतर आई हैं और घरों से नियमित रूप से कचरा उठाया जा रहा है। इसके बावजूद हड़ताल के दौरान जमा हुआ कचरा अभी तक पूरी तरह नहीं उठाया जा सका है। ऐसे में शहर के कई हिस्सों में गंदगी के ढेर जस के तस पड़े हैं, जिससे नागरिकों में नाराजगी बढ़ रही है।

फतेहाबाद। कूड़े के ढेर में लगाई गई आग। फोटो: हरिभूमि

कचरा जलाकर निपटान का प्रयास

सबसे गंभीर स्थिति यह है कि कई स्थानों पर कचरे के ढेरों को उठाने की बजाय उनमें आग लगाकर निस्तारण किया जा रहा है। शहर के अलग-अलग इलाकों में खुले में जलते कचरे से धुएं के गुबार उठते देखे जा सकते हैं। यह धुआं आसपास के घरों और बाजारों तक पहुंच रहा है, जिससे लोगों को सांस लेने में दिक्कत, आंखों में जलन और अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर बुजुर्गों, बच्चों और श्वास रोगियों के लिए यह स्थिति और अधिक चिंताजनक बन गई है।

दुर्गंध और बीमारी का बढ़ा खतरा

शहर के कई इलाकों में पड़े कचरे के ढेर अब सड़ने लगे हैं, जिससे तेज दुर्गंध फैल रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गंदगी के कारण मच्छरों और आवारा पशुओं की संख्या भी बढ़ गई है। इससे संक्रामक बीमारियों का खतरा मंडराने लगा है। खासकर गर्मी के मौसम में यह स्थिति और गंभीर हो सकती है, क्योंकि सड़ते कचरे से संक्रमण फैलने की आशंका अधिक रहती है।

लोगों की मांग : विशेष अभियान चलाए प्रशासन

शहरवासियों ने मांग की है कि नगर परिषद सामान्य सफाई व्यवस्था के साथ-साथ विशेष अभियान चलाकर जमा हुए कचरे को तुरंत उठाए। लोगों का कहना है कि केवल घरों से कचरा उठाने से समस्या का समाधान नहीं होगा, जब तक कि सार्वजनिक स्थानों पर लगे कचरे के ढेर पूरी तरह साफ नहीं किए जाते।

एनजीटी के आदेशों की खुली अवहेलना

खुले में कचरा जलाना नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के स्पष्ट आदेशों का उल्लंघन है। एनजीटी और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पहले ही खुले में कचरा जलाने पर रोक लगा चुके हैं, क्योंकि इससे वायु प्रदूषण तेजी से बढ़ता है और पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचता है। इसके बावजूद शहर में लगातार कचरा जलाया जाना प्रशासनिक लापरवाही पर सवाल खड़े कर रहा है। लोगों का कहना है कि जिम्मेदार विभागों को इस पर तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

सिरसा : हुडा सेक्टर 20 में गंदगी की भरमार

सिरसा। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त होने के बाद सिरसा में शहर के मुख्य चौक चौराहों पर सफाई तो नजर आई मगर शहर के कई स्थानों पर अब भी गंदगी की भरमार है। इन सबमें सर्वाधिक गंदगी शहर के हुडा सेक्टर-20 में पसरी है जहां न तो सिस्टम ही पूरी ईमानदारी से स्वच्छता के प्रति गंभीरता दर्शा रहा है और न ही स्थानीय नगरपार्षद। हुडा सेक्टर-20 में गांव वैदवाला को मिलाने वाली सडक के दोनों ओर गंदगी की भरमार है। आलम ये है कि सुबह शाम काफी संख्या में सेक्टरवासी यहां भ्रमण के लिए निकलते हैं मगर गंदगी का आलम ये है कि उन्हें नाक पर कपड़ा डालकर यहां से निकलने पर मजबूर होना पड़ रहा है। इतना ही नहीं गांव सिकंदरपुर व वैदवाला से हजारों की संख्या में लोग इसी मार्ग से सिरसा शहर में अपने काम के सिलसिले में नित्य यहां से गुजरते हैं। उन्हें भी कमोबेश ऐसी ही स्थितियों से दोचार होना पड़ता है। हुडा सेक्टर में बिखरे कूड़े कचरे की स्थिति जस की तस है और ऐसे में यहां के लोगों को बीमार होने का खतरा है। स्थानीय सेक्टरवासियों ने कहा कि यदि जल्द ही यहां बड़े पैमाने पर सफाई अभियान न चलाया गया तो इसके गंभीर परिणाम उन्हें उठाने पड़ सकते हैं। उन्होंने प्रशासनिक तंत्र से आग्रह किया है कि इस अभियान को यहां जोर शोर से चलवाया जाए ताकि लोग राहत महसूस कर सकें।

फतेहाबाद। गर्मी के चलते दोपहर को सूना पड़ा जीटी रोड। फोटो: हरिभूमि

नौतपा से एक सप्ताह पहले ही तपा शहर, 42 डिग्री पहुंचा पारा

- 25 मई से दिन और रात दोनों के तापमान में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद सहित पूरे क्षेत्र में मई के आखिरी सप्ताह से गर्मी और अधिक तीखे तेवर दिखाने लगेगी। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार 25 मई से नौतपा शुरू होने के साथ ही दिन और रात दोनों के तापमान में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। नौतपा को अभी एक सप्ताह का समय है लेकिन इससे पहले ही शहर तपने लगे हैं। रविवार को यहां का अधिकतम तापमान 42 व न्यूनतम 29 डिग्री तक पहुंच गया जोकि आमतौर पर नौतपा के दिनों में होता है। दरअसल पश्चिमी विक्षोभ का असर दूसरे सप्ताह तक मौसम में हलचल बनाए रख सकता है, जिससे कहीं-कहीं बूंदाबांदी या बादलों की आवाजाही संभव है, लेकिन इससे गर्मी से ज्यादा राहत मिलने की संभावना नहीं है। दरअसल, मई के दूसरे पखवाड़े के बाद सूर्य की तपिश बढने लगती है और 25 मई से शुरू होने वाला नौतपा गर्मी के चरम दौर की शुरुआत माना जाता है।

तपेगा हरियाणा-पंजाब

राजस्थान की ओर से चलने वाली गर्म और शुष्क हवाएं हरियाणा-पंजाब के मैदानी क्षेत्रों में गर्मी को और बढ़ा देंगी। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार इस दौरान दिन का तापमान 43 से 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जो सामान्य से 3 से 4 डिग्री अधिक रहने की संभावना है। रात के समय भी राहत नहीं मिलेगी और न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि नौतपा के दौरान यदि तेज तपन होती है तो इसका असर मानसून पर भी सकारात्मक माना जाता है।

2 जून तक बने रह सकते हैं गर्मी के हालात

मौसम जानकारों के अनुसार 25 मई से शुरू होकर 2 जून तक नौतपा का प्रभाव बना रहेगा। इस दौरान लू चलने, गर्म हवाएं तेज होने और दोपहर के समय हीटवेव जैसी स्थिति बनने के आसार हैं। दोपहर में बाहर निकलना मुश्किल हो सकता है और लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत होगी। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि इस दौरान दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक धूप में निकलने से बचें, पर्याप्त पानी पिएं और बच्चों व बुजुर्गों का खास ध्यान रखें।

जमाल में पेयजल की कमी से त्राहि-त्राहि

- ग्रामीण टैंकरों से मोल मंगवा रहे हैं पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭चोपटा

राजस्थान की सीमा पर बसे हरियाणा के गांव जमाल में पेयजल की कमी से त्राहि त्राहि मची हुई है। करीब 15 हजार की आबादी वाले इस गांव के जलघर की डिग्गियां खाली पड़ी हैं और ग्रामीण खरीद कर पानी पी रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि प्रति टैंकर के हिसाब से एक हजार रुपये से लेकर 1300 रुपए वसूले जा रहे हैं। टैंकरों का पानी दूषित है, जिससे बीमारियां फैलने का अंदेशा बना हुआ है। ग्रामीणों ने रविवार को बताया कि गांव जमाल के नजदीक नहरों में पानी नहीं है और टैंकर चालक 15 किलोमीटर दूर से पानी लेकर आ रहे हैं, जिससे वह किराया भी अधिक वसूल रहे हैं। राजस्थान की सीमा पर बसे हरियाणा के 15 हजार की आबादी और 20 वार्डों वाले गांव जमाल में पिछले 15 - 20 दिनों से पेयजल किल्लत को लेकर ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण विक्रम शर्मा, देवीलाल, संदीप कुमार, अशोक कुमार आदि ने बताया कि गांव के जलघर में बनी चार डिग्गियां खाली पड़ी है, जिससे पानी सप्लाई नहीं हो पा रहा है। पिछले 15 दिनों से ग्रामीणों को पानी खरीद कर पीना पड़ रहा है। गांव में टैंकर चालक बड़ी राशि वसूल करते हैं और वह भी आसपास से गुजरने वाली नहरों से गंदा और दूषित पानी पीने को मजबूर हैं।

सिरसा। गांव जमाल जलघर में सूखी डिग्गियां। फोटो: हरिभूमि

शहर में पानी सप्लाई का टाइम बदला

- रविवार से नई व्यवस्था हुई लागू, वंचित क्षेत्रों तक नहरी पानी पहुंचाने के लिए शेड्यूल में फेरबदल

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

शहर के भट्ट रोड क्षेत्र की कुछ कॉलोनियों में पिछले कई दिनों से पेयजल सप्लाई बाधित रहने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। कई इलाकों में नहरी पानी नहीं पहुंचने से स्थानीय निवासियों ने विभाग से शिकायत की थी। शिकायतों के बाद जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने रविवार सुबह से शहर में पानी की सप्लाई के समय में बदलाव कर दिया है। विभाग का कहना है कि यह बदलाव अस्थायी रूप से किया गया है ताकि जिन कॉलोनियों तक नहरी पानी नहीं पहुंच रहा था, वहां भी नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सुबह के समय नई समय-सारिणी के अनुसार पानी छोड़ा जाएगा।

फतेहाबाद। खैरातीखेड़ा रोड स्थित वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट। फोटो: हरिभूमि

ये होगा शेड्यूल

नई व्यवस्था के तहत सबसे पहले भट्ट रोड क्षेत्र में सुबह 3:30 बजे से 4:30 बजे तक पानी की सप्लाई दी जाएगी। इसके बाद बीघड़ रोड, मॉडल टाउन ए ब्लॉक और अनाज मंडी क्षेत्र में 4:30 बजे से 5:30 बजे तक जलापूर्ति होगी। शहर के प्रताप मार्केट सहित आसपास के क्षेत्र में 5:30 बजे से 6:30 बजे तक पानी छोड़ा जाएगा। वहीं कबीर बस्ती, भाटिया कॉलोनी और मॉडल टाउन बी ब्लॉक में सुबह 6:30 बजे से 7:30 बजे तक सप्लाई की जाएगी।

पानी की बर्बादी से बचें

विभाग के अधिकारियों के अनुसार पिछले कुछ दिनों से नहरी पानी की उपलब्धता और वितरण में असंतुलन के कारण कुछ क्षेत्रों में दबाव कम हो गया था, जिससे अंतिम छोर की कॉलोनियों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा था। नई टाइमिंग लागू होने से जल वितरण में सुधार की उम्मीद है। विभाग ने लोगों से अपील की है कि निर्धारित समय के अनुसार ही पानी संग्रह करें और अनावश्यक बर्बादी से बचें। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि नई व्यवस्था से पानी की नियमित आपूर्ति शुरू होती है तो राहत मिलेगी, क्योंकि पिछले कई दिनों से कई परिवारों को पेयजल के लिए निजी टैंकरों या अन्य वैकल्पिक साधनों पर निर्भर रहना पड़ रहा था।

58 बोतल अवैध शराब सहित 4 आरोपी दबोचे

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से अवैध रूप से बेची जा रही 58 बोतल देसी शराब बरामद कर 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि शहर थाना पुलिस टीम ने बांदर वाली पुलिया सिरसा क्षेत्र से आरोपी महेंद्र निवासी जंडीवाली गली पुरानी भाखड़ा कॉटन मिल रानियां रोड सिरसा को 14 बोतल अवैध शराब सहित काबू किया। वहीं कीर्तिनगर पुलिस चौकी की एक टीम ने प्रीतनगर क्षेत्र से आरोपी अजय निवासी नारनौल जिला हिसार हाल नटार रोड आरावली गली सिरसा को 13 बोतल अवैध शराब सहित काबू किया है। इसी प्रकार रोड़ी थाना पुलिस ने गांव भीवां क्षेत्र से आरोपी करण सिंह निवासी गांव भीवां को 14 बोतल अवैध शराब सहित गिरफ्तार किया।

फतेहाबाद पंचायत समिति में सियासी घमासान, डीसी से की बैठक बुलाने की मांग

उपाध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद में पंचायत समिति के उपाध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी तेज हो गई है। पंचायत समिति के दो-तिहाई यानी 20 सदस्यों ने जिला उपायुक्त को शपथ पत्र सौंपकर उपाध्यक्ष मदन गुर्जर के खिलाफ बैठक बुलाने की मांग की है। बता दें कि फतेहाबाद पंचायत समिति में कुल 30 सदस्य हैं और अविश्वास प्रस्ताव के समर्थन में आए 20 सदस्यों में समिति की चेयरपर्सन पूजा चराईपोत्रा भी शामिल हैं। सभी सदस्यों ने अपने हस्ताक्षरित हलफनामे जिला प्रशासन को दिए हैं। मामले को लेकर राजनीतिक सरगर्मी इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि चेयरपर्सन पूजा चराईपोत्रा, पंचायत समिति के उपमंडल अभियंता और कनिष्ठ अभियंता के खिलाफ पहले से ही कथित अनियमितताओं की जांच चल रही है। तत्कालीन बीडीपीओ ने करीब दो लाख रुपये की नलियों की जालियों के फर्जी बिल भुगतान और धार्मिक स्थलों पर लोहे के शेड निर्माण में सरकारी धन के दुरुपयोग को लेकर जिला उपायुक्त को कार्रवाई की अनुशंसा की थी। सूत्रों के अनुसार, चेयरपर्सन समर्थक गुट को आशंका है कि यदि चेयरपर्सन पर निलंबन जैसी कार्रवाई होती है तो कार्यवाहक अध्यक्ष का पद उपाध्यक्ष मदन गुर्जर को मिल सकता है। इसी कारण उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की रणनीति बनाई जा रही है।

ट्रक और बाइक की टक्कर में जींद के युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिले के शहर टोहाना में शनिवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में जींद निवासी 34 वर्षीय युवक शीलू सिंह की मौत हो गई। घटना बाबा सिया नाथ मंदिर के पास उस समय हुई जब मृतक मजदूरी कर बाइक से अपने गांव लौट रहा था। पुलिस ने रविवार को शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, जींद जिले के गांव खरड़वाल का रहने वाला शीलू सिंह रोजाना काम के सिलसिले में करीब 15 किलोमीटर दूर टोहाना आता-जाता था। शनिवार शाम को जब वह टोहाना से अपने गांव वापस लौट रहा था, तभी गांव कन्हड़ी से आगे बाबा सिया नाथ मंदिर के पास उसकी बाइक एक ट्रक से टकरा गई। राहगीरों ने घायल युवक को टोहाना के सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

गंदे पानी की सप्लाई कर रही लोगों को बीमार

सिरसा। शहर के ए ब्लॉक स्थित एकता पार्क, तुलसी पार्क, पुराने यूको बैंक के समीपस्थ क्षेत्र में पिछले एक सप्ताह से पेयजल में मिश्रित होकर आ रहे गंदे पेयजल की आपूर्ति स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। क्षेत्रवासी महावीर शर्मा, राजेंद्र कुमार, सुरेश कुमार, प्रेम धूड़िया, रमेश ठुकराल, रामप्रकाश मेहता, बिट्टू कटारिया व विपिन गुप्ता आदि ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से उनके घरों में सप्लाई किए जा रहे पानी में आ रही दुर्गंध उन्हें बीमार बना रही है। क्षेत्रवासियों ने बताया कि दुर्गंधयुक्त पानी की आपूर्ति से लोगों के पेट में दर्द, दस्त आदि की शिकायतें बड़े पैमाने पर हो रहा है और लोग ज्यादातर चिकित्सकों से दवाएं लेकर घरों पर ही आराम कर रहे हैं। क्षेत्रवासी महावीर शर्मा ने बताया कि शहर के अधिकांश भागों की तरह उनके इलाके में भी पिछले एक सप्ताह से जारी गंदे पानी की सप्लाई की वजह से उन्हें भी पानी का टैंकर मंगवाकर पानी पीने पर मजबूर होना पड़ रहा है। वहीं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को सूचित किए जाने के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है और स्थिति यथावत है। उन्होंने चेताया कि यदि जल्द ही इलाके में साफ पानी की सप्लाई न की गई तो क्षेत्रवासी बड़ा कदम उठाने पर मजबूर होंगे।

40 से अधिक गांवों में पेयजल आपूर्ति और सिंचाई व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका

भाखड़ा की फतेहाबाद ब्रांच में 20 मई से छोड़ा जाएगा पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद जिले की जीवनरेखा मानी जाने वाली भाखड़ा की फतेहाबाद ब्रांच नहर तीन दिन से बंद है। अब इस नहर में दो दिन बाद यानि 20 मई को दोबारा पानी छोड़ा जाएगा। नहर बंद होने से शहर सहित 40 से अधिक गांवों में पेयजल आपूर्ति और सिंचाई व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है। गर्मी के बढ़ते मौसम में नहरबंदी से लोगों की चिंता भी बढ़ गई है। सिंचाई विभाग के अनुसार काजल हेड से फतेहाबाद ब्रांच नहर की जलापूर्ति अस्थायी रूप से रोकी गई है। टोहाना हेड से निकलने वाली इस प्रमुख नहर में सामान्य दिनों में करीब दो हजार क्यूसिक पानी प्रवाहित किया जाता है। यही पानी जिले के बड़े हिस्से में खेती और पेयजल जरूरतों को पूरा करता है। नहर बंद रहने से जिले के 100 से अधिक जलघरों पर असर पड़ सकता है, जिससे कई गांवों में जलापूर्ति का समय प्रभावित हो सकता है। इस समय जिले में खरीफ सीजन की तैयारियां चल रही हैं और किसान नरमा व कपास की बिजाई में जुटे हुए हैं। जिले में करीब एक लाख हेक्टेयर क्षेत्र में नरमा और कपास की खेती की जाती है। नरमा की बिजाई का अंतिम चरण 20 मई तक चलता है। ऐसे में नहर बंद होने से खेतों तक सिंचाई पानी नहीं पहुंचने पर किसानों को परेशानी झेलनी पड़ सकती है। खासकर जिन क्षेत्रों में ट्यूबवेल या वैकल्पिक सिंचाई साधन सीमित हैं, वहां असर अधिक देखने को मिल सकता है।

फतेहाबाद। बंद पड़ी फतेहाबाद ब्रांच नहर। फोटो: हरिभूमि

क्यों बंद की गई नहर

- काजल हेड से जलापूर्ति अस्थायी रूप से रोकी गई
- बारी-बारी से अन्य नहरों में पानी छोड़ा जा रहा
- उच्च अधिकारियों के निर्देश के बाद 20 मई को दोबारा जलापूर्ति संभव

अधिकारियों ने क्या कहा

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के कार्यकारी अभियंता श्याम लाल ने बताया कि फतेहाबाद ब्रांच में पानी की आपूर्ति बंद की गई है। जैसे ही उच्च अधिकारियों से पानी छोडने के निर्देश मिलेंगे, नहर में दोबारा पानी प्रवाहित कर दिया जाएगा। फिलहाल पानी की कमी से बचाव के लिए बारी-बारी से विभिन्न नहरों में सप्लाई दी जा रही है।

किन क्षेत्रों पर हो रहा असर

- फतेहाबाद शहर सहित 40 से अधिक गांवों में पेयजल आपूर्ति प्रभावित
- 100 से ज्यादा जलघरों में पानी सप्लाई पर असर
- नरमा व कपास की बिजाई कर रहे किसानों को सिंचाई में दिक्कत
- हरियाणा के साथ राजस्थान के नोहर-भादरा क्षेत्र में भी असर

व्यस्त आदमी को अपना काम करने में जितनी अक्ल की जरूरत पड़ती है, उससे ज्यादा अक्ल बेकार आदमी को समय काटने में लगती है।

- हरिशंकर परसाई

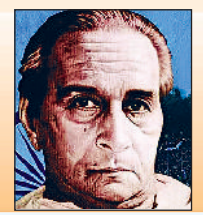

कहानी

आशमा कौल

मां की चिता के फूल

यह भी कैसी विडंबना थी कि जिसको खुश करने के लिए मां पूरे परिवार का ध्यान रखती, वही रोज़ किसी न किसी कारण से नाराज़ होकर घर से निकल जाता था।

समीर चलो अब घर चलें " – पिता की आवाज़ ने उसे चेताया तो वह धीमे स्वर में बोला – " पापा आप चलें, मैं थोड़ी देर और बैठना चाहता हूं यहां ''।

" ठीक है तो हम चलते हैं, तुम जल्दी आना, कल तुम्हें मांके फूल लेकर हरिद्वार सुबह चार बजे निकलना है "।

" जी पापा'' – बिना पलकें उठाए समीर ने कहा ।

मां की चिता पर बैठे हुए समीर को आज बचपन का एक एक दिन याद आ रहा है और याद आ रही है सुबह- शाम लट्टू सी दौड़ती मां। बड़ा परिवार था सास-ससुर, पति, एक ननद, दो देवर और बेटा-बेटी मिलाकर कुल आठ सदस्य और सारे घर को संभालने वाली अकेली मेरी मां।

दादा-दादी दोनों ने सत्तर पार करते ही पलंग पकड़ लिया था। ननद पूरा दिन दफ्तर रहती, पापा और दोनों चाचा अपने खानदानी कारोबार में व्यस्त रहते, मैं और दीदी अपनी पढ़ाई और खेल-कूद में लगे रहते। मां की मदद कराने के नाम पर एक मेहरी आती जो सुबह सफाई और बर्तन निपटा कर चली जाती । पूरा दिन मां घूमती रहती। सुबह सबका नाश्ता-पानी कराकर शायद कुछ खा लेती और फिर दिनभर दादा जी और दादी जी की सेवा, शाम को सबके आने से पहले रात के भोजन की तैयारी और उसके साथ न जाने कितने सैकड़ों काम वह अकेली जान निपटाती।

आज मैं पछताता हूं, काश कि मैं तब थोड़ा समझदार होता और मां के दुख-दर्द का साथी बनता। मुझे आज भी याद है कि जब एक रात मां बहुत थकी हुई थी, कामवाली आंटी भी उस दिन नहीं आई थी और जब उन्होंने हमसे कुछ मदद मांगी, तब मैं और दीदी उनकी अनसुनी कर पूरा दिन घर से बाहर दोस्तों के साथ खेलते रहे थे। रात को पापा थोड़ा देर से आए थे और उन्हे परोसा गया खाना शायद थोड़ा ठंडा था । तब पापा मां पर बरस पड़े थे –

" लता यह क्या, ठंडा खाना परोस कर रख दिया है, पूरे दिन का थका आता हूं, कोई शर्म लिहाज़ है कि नहीं, पूरा दिन घर में आराम करती हो ''।

मां ने अपने पर संयम रखते हुए धीमे से कहा – " आज मैं सुबह से ही खड़ी हूं, दिन का खाना भी नहीं खा सकी ''। बस इतना कहने की देर थी कि पापा ने गुस्से में खाने से भरी हुई थाली ज़मीन पर दे मारी और मां को गाली देते हुए अपने कमरे में चले गए। किसी की हिम्मत न हुई कि पापा को कुछ समझ सकें, उल्टे सब मां पर ही बरसने लगे कि उन्होंने पति के सामने मुंह ही क्यों खोला। उस दिन शायद मां भी सारा काम निपटा कर रोते-रोते भूखी ही सो गई थी। मेरे अबोध मन को भी उस दिन एक गलत तालीम मिल गई थी कि मां तो होती ही है सिर्फ काम करने के लिए और डांट खाने के लिए। उस दिन के बाद से मां भी अपने प्रति बेपरवाह सी हो गयी थी। सवेरे पांच बजे उठकर चक्की की तरह काम पर लग जाती लेकिन कभी किसी से कोई शिकायत नहीं करती, करती भी तो किससे। किसके पास समय था कि उसके मन की सुनता, उल्टे सब अपनी परेशानियां उसके हवाले कर के घर से निकल जाते जैसे कि उस पर कोई एहसान रख रहे हों। पढ़ी- लिखी तो मां भी थी, उस ज़माने की मैट्रिक पास और फिर जल्दी विवाह हो गया, चाहती तो कहीं नौकरी भी कर सकती थी लेकिन उसे तो यह घर और घरवाले जैसे विरासत में मिले थे। मां अपने संस्कारों की पक्की थी, जो नाना-नानी ने विदा करते हुए पोटली में बांध कर साथ दिए थे। सच कहुं तो दादा-दादी मां को बहुत प्यार करते, इतनी संस्कारी और सुशील बहू जो मिली थी, लेकिन खराब स्वास्थ्य की वजह से वे मां की कोई मदद न कर पाते और न ही कुछ कह पाते। बुआ जी और दोनों चाचा जी भी मां को बहुत मानते और उन्हे भाभी मां कह कर ही संबोधित करते और इस मान के एवज़ में मां उनकी हर ज़रूरत का ध्यान रखती।

मुझे याद आ रहा है कि मां मुझे और दीदी को कितना लाड़ करती। पिता जी व्यस्त रहते तो मां ही पापा के हिस्से का प्यार भी हम पर उड़ेल देती और हम मां की परेशानियों और जिम्मेदारियों से बेखबर हवा में उड़ते रहते। मां घर का कम ध्यान रखती तो पापा को शिकायत रहती, पूरा ध्यान रखती तो भी पापा खुश न होते।

"सब घरवालों का ध्यान रखती हो, लेकिन मेरा क्या, मुझे लगता है तुम्हारी शादी मुझसे नहीं मेरे परिवार से हुई है '' - पापा आए दिन तरह तरह के ताने मां को सुनाते। तारीफ के दो शब्द तो कभी न कहते, उल्टा हमेशा उसे कोसते हुए ही घर से निकलते।

यह भी कैसी विडंबना थी कि जिसको खुश करने के लिए मां पूरे परिवार का ध्यान रखती, वही रोज़ किसी न किसी कारण से नाराज़ होकर घर से निकल जाता। पापा के पास भी मां से लड़ने के कई बहाने रहते। उनके काम की थकान , घर की परेशानियों की झुंझलाहट, मां को खरी - खोटी सुना कर ही मानो दूर होती और वह हल्के हो जाते । हम में से जो भी घर घुसता मांको अपने दिनभर की थकान थमा कर हल्का हो जाता, लेकिन मां अपने दिनभर की थकान किसे देती। जब उसका कष्ट उसका पति और बच्चे ही नहीं समझ पाए तो बाकि भी क्यों समझते। मैंने भी तो पापा से यही कुछ सीखा था और अब मैं भी आए दिन मां को परेशान करता, कभी नमक ज्यादा का बहाना बना कर भरी थाली छोड़ देता, कभी दूध गिरा देता और अब तो मैंने मां पर चिल्लाना भी सीख लिया था। वह कहते हैं न कि संगत का असर तो होता ही है। पापा की मर्दानगी देख मैं भी मर्द बनने की कोशिश करता। मां की तकलीफ कभी समझ नहीं पाया। दीदी की बोर्ड की परीक्षा सिर पर आ गई थी और उससे किसी तरह की उम्मीद रखना ही बेकार था ।

मां ने जब दूसरी कामवाली बाई को रखने की इच्छा ज़ाहिर की तो सभी ने यह कहकर मना कर दिया कि हाल ही में सोसाइटी में कई चोरियां हुई हैं और दो बाइयां रखने में चोरी का खतरा है। मां का प्रस्ताव ठंडे बस्ते में चला गया बिचारी मां घर के चक्र व्यूह से कभी बाहर न आ सकी। अब आज इस चक्रव्यूह से मां निकल चुकी है लेकिन अपने जीवन को संस्कारों की दांव पर बलि चढ़ा कर।

कितनी अजीब बात है कि मां धीरे- धीरे अंदर ही अंदर तन और मन के बोझ से गल रही थी और परिवार में किसी को इसकी भनक तक न हुई । हम सब दोषी हैं, लेकिन मैं तो सबसे बड़ा दोषी हूं मां की असमय मृत्यु का। मां के बीमार होने से कुछ दिन पहले ही तो मैं बिना किसी बात मां पर भड़का था और मां मुझे समझाने का विफल प्रयास करती रही थी। वह मुझे अपनी जान से भी ज्यादा प्यार करती थी

अचंभे की बात है कि मां को गए अभी दो ही दिन हुए हैं और घर के सभी लोग समझदार और स्वावलम्बी हो गए। मैं और दीदी भी दो दिन में ही सयाने हो गए हैं। काश, यह सब मां के जाने से पहले हो जाता।

और मेरे इस व्यवहार से बहुत आहत हुई थी। अगले दिन मां को कमज़ोरी और परेशानी से उसे चक्कर सा आया और बेहोश होकर कोमा में चली गई और फिर कभी होश में न आई। मैं कितना अभागा हूं कि मैंने अपनी प्यारी मां को अपनी नासमझी की वजह से धीरे-धीरे मौत के मुंह में धकेल दिया। शायद अब घर में सभी को ऐसा महसूस हो रहा होगा। पापा और दीदी का तो रो-रो कर बुरा हाल है, शायद वे भी पछतावे की आग में जल रहे हैं और बाकि सब भी अंदर ही अंदर घुट रहे हैं। जाने-अनजाने में उनसे कितना बड़ा पाप हुआ है। सारा घर हैरान-परेशान है कि घर जिस धूरी पर चल रहा था, वह धूरी ही आज टूट गई है तो अब घर कौन संभालेगा। बहुत अचंभे की बात है कि मां को गए अभी दो ही दिन हुए हैं और घर के सभी लोग समझदार और स्वावलम्बी हो गए। मैं और दीदी भी दो दिन में ही सयाने हो गए हैं। काश, यह सब मां के जाने से पहले हो जाता।

मां को अग्नि के सुपुर्द करते समय मैं अंदर से पूरा टूट गया था। आज मेरा मन तड़प-तड़प कर कह रहा है कि हे ईश्वर, यह मेरे साथ ही क्यों हुआ, मेरी मां को इतनी जल्दी क्यों छीन लिया मुझसे, अब तो यह दुनिया रहने लायक ही नहीं रही। मैं ही मां का दोषी हूं और मुझे जीने का कोई हक नहीं है।

समीर अपनी पिछली यादों की अंतर्वेदना में गुम अपने साथ ही बुदबुदा रहा था कि तभी किसी की आवाज़ सुन कर अवचेतन मन से बाहर आया–" बेटा बहुत देर से यहां अकेले बैठे हो, फूल चुन लिए क्या''।

उसने अपनी आंखें खोली और मां की चिता से भस्म को जैसे ही अपने हाथ में लिया, उसी क्षण उसे एक शीतल सिहरन सी महसूस हुई। उसे लगा जैसे एक ठंडी लहर उसके दुख से जलते मन को शांत कर रही है और वह लहर उसके सिर को छूती हुई निकल गई है।

समीर को एक पल को ऐसा लगा जैसे मां उसके सिर पर अपना आशीर्वाद वाला हाथ रखकर व्योम में विलीन हो गई है। उसे अपने और अपनी सोच में कुछ बदलाव सा लगा। उसकी नकारात्मकता गायब हो गई और कुछ पल पहले वह रो-रो कर जहां खुद को दोषी मान रहा था और अपने जीवन को कोस रहा था, वहीं अब उसकी सोच ही बदल गई है। उसने अब तय कर लिया कि वह जीएगा और सिर्फ जीएगा नहीं बल्कि मां के सपने को पूरा करेगा। वह पढ़-लिख कर एक काबिल डॉक्टर बनेगा और गरीबों की सेवा करेगा।

समीर ने मां की चिता से फूल समेटे। मन ही मन संकल्प लिया और उठ खड़ा हुआ, कपड़े झाड़े और चिता को नमस्कार कर वापस घर की तरफ चल पड़ा । आज वह एक बदला हुआ समीर था, उसे यकीन हो गया था कि मां आज भी मरने के बाद उसे बहुत प्यार करती है और उसकी गलतियों को माफ़ कर चुकी है। उसे महसूस हो रहा था कि मां उसके साथ चल रही है, उसकी उंगली थामे।

पुस्तक समीक्षा

देशभक्ति और प्रेम संग्रह 'कितना सुंदर है तिरंगा'

समीक्षक

सेंट्रल डेस्क

आज के दौर में जहां साहित्य कई बार जटिलता की ओर बढ़ता दिखता है, वहीं लघुकविता-संग्रह अपनी सरलता और सीधे संदेश के कारण अलग पहचान बनाते हैं। यह कृति देशभक्ति की भावनाओं को सहज शब्दों में पाठकों तक पहुंचाती है। 'कितना सुंदर है तिरंगा' लघुकविताओं का ऐसा संग्रह है, जिसमें राष्ट्रप्रेम, सैनिकों का पराक्रम और देश के प्रति समर्पण प्रमुख विषय के रूप में उभरकर सामने आते हैं। पुस्तक की कविताएं आकार में छोटी हैं, लेकिन उनका प्रभाव गहरा है। लेखक ने कम शब्दों में बड़े भाव व्यक्त करने की कला को बखूबी निभाया है। इस संग्रह में प्रेम, स्मृतियों, प्रकृति प्रेम, श्रृंगार, व्यंग्य एवं प्रेम विषय लघुकथाएं अनायास ही मन को छू लेती हैं। वहीं, वीरों की गाथाएं मन में देशभक्ति का जोश भर देती हैं। संग्रह की "हे सैनिक" कविता सैनिक के जीवन, उसकी देशभक्ति और हर परिस्थिति में कर्तव्य निभाने की भावना को उजागर करती है। वहीं "लहरा रहा है तिरंगा" कविता में भारतीय सेना के साहस और आतंकवाद के खिलाफ उसकी निर्णायक कार्रवाई को दर्शाया गया है। वहीं, भारत की ताकत में सेना के शौर्य को दर्शाया गया कि उसने कैसे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को धूल चटाई। लघु अध्याय दो मां, नाना-नानी, दादा-दादी, भाई बहन और परिवार प्रेम को दर्शाता है। अध्याय तीन प्रेम स्मृति और अध्याय चार प्रेम दर्शन के दर्शन करवाता है। भाषा की दृष्टि से यह संग्रह अत्यंत सरल और सहज है। लेखक ने आम बोलचाल की हिंदी का प्रयोग किया है, जिससे यह पुस्तक हर वर्ग के पाठकों के लिए सुलभ बन जाती है। कविताओं में सीधे-सीधे भाव व्यक्त किए गए हैं, जो बिना किसी जटिलता के पाठक के मन तक पहुंचते हैं। यही इसकी सबसे बड़ी ताकत भी है। हालांकि, साहित्यिक दृष्टि से देखा जाए तो कुछ कविताओं में रूपकों और प्रतीकों का विस्तार कम दिखाई देता है। यदि काव्यात्मक गहराई और बिंबों का प्रयोग थोड़ा और बढ़ाया जाता, तो यह संग्रह और अधिक प्रभावशाली बन सकता था। फिर भी, स्पष्ट और सटीक संदेश देने की दृष्टि से यह शैली उपयुक्त साबित होती है। पुस्तक की प्रस्तावना में लेखक ने लघुकविता विधा के प्रति अपने लगाव और साहित्यिक यात्रा का उल्लेख किया है, जो पाठकों को रचनाओं की पृष्ठभूमि समझने में मदद करता है। कुल मिलाकर 'कितना सुंदर है तिरंगा' एक ऐसी कृति है, जो देशभक्ति के भाव को सरल और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करती है। यह संग्रह उन पाठकों के लिए खास है, जो कम शब्दों में गहरी भावनाएं पढ़ना पसंद करते हैं और राष्ट्रप्रेम से जुड़ी रचनाओं में रुचि रखते हैं।

डॉ. तेजिंद्र

कवि

कवि कॉर्नर

कविता डॉ. तबस्सुम जहां

आंखें

आंखों से अब क्या,
अपनी कहानी कहें।
बात जो भी कहें,
हम वो जुबानी कहें।
हजारो ख़्वाब देखे थे,
हमने बनके मरासिम।
क्यों उनको इन आँखों की,
नादानी कहें...।
जो बीत चुकी वो उम्र थी,
जो ढल चुकी
क्यों न उसे जवानी कहें।
जो छोड़ चुके थे कब से
आँखों की हया औ शर्म
वो चाहते हैं कि
हम उन्हें ख़ानदानी कहें।
देख कर आँख चुराते हो
करते हो नजरअंदाज,
क्या हम इसको
हुजूर की बेईमानी कहें।
आओ बैठो दोस्तों
कभी चाय पर मिलो,
तुम नई सुनाओ और
हम कुछ पुरानी कहें।
आँखों से अब क्या
अपनी कहानी कहें
बात जो भी कहें
हम वो जुबानी कहें।..

कविता सतीश कुमार

संघर्ष बहुत है जीवन में

संघर्ष बहुत है इस जीवन में,
जो हमने करना सीख लिया है।
आंधी में भी दीपक बनकर,
हमने जलना सीख लिया है।

हो लाख मुसीबत राहों में ,
या दुःख की काली रात मिले।
हंसकर हर मुश्किल में आगे,
हमने बढ़ना सीख लिया है।

अपने ही जब छोड़ चले तो,
दिल को थोड़ा दर्द हुआ।
टूटे अरमानों संग खुद को,
हमने गढ़ना सीख लिया है।

झूठ अक्सर रहा जीतता,
यहां सच को ठोकर मिलती है।
सच्चाई के पथ पर फिर भी,
हमने चढ़ना सीख लिया है।

मेरी मंजिल खुद आ जाएगी,
हिम्मत अगर सलामत है।
गिर के उठ जाने का हुनर,
हमने रखना सीख लिया है।

पसीना बोतलों में भरकर रखिए...

व्यंग्य आसिम अनमोल

एक रोज़ पत्नी अपने पति से बोली कि एक ठंडा-ठंडा, कूल-कूल पाउडर का डिब्बा लाकर दीजिए। पति बोला- पिछले सप्ताह तो लाकर दिया था। पाउडर लगाती हो या पड़ोसी को दान कर देती हो। पत्नी तिलमिलाती हुई बोली-मुझ पर क्यों भड़क रहे हो। पाउडर त्वचा पर लगाती हूं टिकता ही नहीं। भड़कना ही है तो बिजली वालों और उस विधाता पर भड़कों जो आसमान से गर्मी की मिसाइलें चलाकर संसार के प्रत्येक दिमाग़ को गर्मागर्म कर रहा है।

हर वर्ष की तरह घटना बनकर गर्मी फिर आ गई। गर्मी, बारिश लू के थपेड़े मानवीयता को चारों दिशाओं में बड़े साहस के साथ घेरे खड़े हैं । जितना गर्मी से लोग परेशान नहीं हो रहे हैं। उतना मौसम विभाग की चेतावनी से भयभीत हो रहे हैं। जिनको गर्मी नहीं लग रही होती है, उनको भी लगनी शुरू हो रही है। गर्मी का प्रकोप मानसिक पटल पर खूब उत्पात मचा रहा है । गर्मी और लाइट न जाने किस जन्म का बदला ले रहे हैं। इधर गर्मी अपनी आसमानी सत्ता का पावर दिखा रही है। उधर, विद्युत निगम के आकाओं से भीख रूपी अर्जित की जाने वाली लाइट से यदा-कदा पंखे व कूलर चलवा रही है।

कुछ समय बाद गर्मी यह कहकर चली जा रही है कि तुम आम या खास को ज्यादा गर्माहट मत देना। बस अपने हद में रहकर हल्के-फुल्के पसीने छुड़वाते रहना ताकि तुम्हारा संसार में तापमानीय भ्रम बना रहे, वरना तुम्हारी प्रतिष्ठा पर बन आएगी। मौसम विभाग, बिजली और गर्मी तीनों की तिकड़ी गर्मी का शुभारम्भ करते हुए इंसानी शरीर को पसीना-पसीना करके चिपचिपा बनाने पर तुली हुई है। मौसम विभाग शरीर के चिपचिपेपन में वृद्धि करते हुए गर्मी के बढ़ने की ओर पुरज़ोर तरीके से इशारा कर रहा है। छोटे शहरों में लाइट यह कहकर आ-जा रही है कि अपना-अपना पसीना बोतलों में भरकर रखिए। मैं रोस्टिंग निपटा के आती हूं। यह तीनों ही अनुमानित ढंग से ऐसे अपना अपना काम कर रहे हैं, जैसे सरकार अपने मुताबिक काम करती है। अब भला गर्मी को सोचना चाहिए कि इंसान का डीएनए पहले से ही जीवन की समस्याओं और उलझनों में उलझा हुआ है। ऊपर से तुम हर साल सताने आ जाती हो। डिग्री सेल्सियस रुतबा अलग दिखाती रहती है। घटने का काम ही नहीं लेती है।

उसको लगता है कि घटने पर मेरा अपमान हो जाएगा, इसलिए वीर तुम बढ़े चलो की तर्ज पर गर्मी बढ़ती ही रहती है। इसी कारण सरकारी ऑफिस दोपहर में सोने और लेटने के विश्रामगृह बनते जा रहे हैं। घर-घर नींद पसर रही है। गर्मी की पहुंच भी सीधे गगन तक है, इसलिए इंसान का मानसिक पारा इतना गर्म कर रही है कि घरेलू माहौल में भी रोज़-रोज़ की कलह पैदा कर देती है। यानी गर्मी लड़ाई-झगड़ा करवाने की भी प्रतीक है। अब अगर इंसान अपनी गर्मी की हैसियत दिखाने की ओर अग्रसर होगा तो गर्मी पूरे व्यक्तित्व को जलाने का ही काम करेगी। गर्मी का मिज़ाज़ समझने की ज़रूरत होनी चाहिए। उसके मिज़ाज़ के लिहाज़ से अपना मानसिक संतुलन बनाकर रखना चाहिए। अब प्राकर्तिक गर्मी यह तो नहीं कहती कि आप अपने सिर के बाल नोचते घूमें। बीवी पर गर्मी का गुस्सा उतारें। पड़ोसियों के बच्चों की आपस में कोई नोक-झोंक हो जाए तो खुद परिपक्व बनकर लड़ाई झगड़ों के प्रतीक होते घूमें। बाप की अच्छी सलाह पर जिस्म से बहते पसीने से आजिज़ आकर उनके साथ खराब सलूख की अंताक्षरी खेलें। दुनियां को अपनी गर्मी से इतना गर्म न करें कि दुनियां आपकी आलोचनाओं भरी बातों को जगह-जगह चाय-पानी की तरह परोसती घूमें। ऐसे ही एक रोज़ पत्नी अपने पति से बोली कि एक ठंडा-ठंडा, कूल-कूल पाउडर का डिब्बा लाकर दीजिए। पति बोला- पिछले सप्ताह तो लाकर दिया था। पाउडर लगाती हो या पड़ोसी को दान कर देती हो। पत्नी तिलमिलाती हुई बोली-मुझ पर क्यों भड़क रहे हो। पाउडर त्वचा पर लगाती हूं टिकता ही नहीं। भड़कना ही है तो बिजली वालों और उस विधाता पर भड़कों जो आसमान से गर्मी की मिसाइलें चलाकर संसार के प्रत्येक दिमाग़ को गर्मागर्म कर रहा है।

कुछ हटकर

जीवनरक्षक प्रोफेशनल करियर बी.एससी. मेडिकल टेक्नोलॉजी

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

आज के बदलते लाइफस्टाइल, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, अनियमित खान-पान और तनाव के कारण किडनी से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। हर वर्ष देश में लाखों नए मरीज डायलिसिस पर निर्भर हो रहे हैं। सरकारी और निजी स्तर पर डायलिसिस सेंटर्स की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। ऐसे में डायलिसिस प्रक्रिया को सुरक्षित, प्रभावी और मानवीय तरीके से संचालित करने वाले प्रशिक्षित डायलिसिस टेक्नोलॉजिस्ट्स की मांग अभूतपूर्व रूप से बढ़ रही है। बी.एससी. मेडिकल टेक्नोलॉजी एक ऐसा हेल्थकेयर कोर्स है, जो जीवन बचाने की प्रक्रिया का अहम हिस्सा बनने का अवसर भी प्रदान करता है।

डायलिसिस टेक्नोलॉजिस्ट

डायलिसिस टेक्नोलॉजिस्ट एक प्रशिक्षित एलाइड हेल्थ प्रोफेशनल होता है, जो किडनी फेल्योर से पीड़ित मरीजों के लिए डायलिसिस मशीन से रक्त शुद्धिकरण प्रक्रिया को संचालित करता है।

जिम्मेदारियां

- हेमोडायलिसिस एवं पेरिटोनियल डायलिसिस प्रक्रिया का संचालन
- डायलिसिस मशीन और वाटर ट्रीटमेंट सिस्टम का प्रबंधन
- मरीज की प्री-डायलिसिस और पोस्ट-डायलिसिस मॉनिटरिंग
- वास्कुलर एक्सेस की देखभाल संक्रमण नियंत्रण का पालन
- आपातकालीन स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया
- मरीज और परिजनों को डायलिसिस से संबंधित परामर्श
- डायलिसिस रिकॉर्ड और डॉक्यूमेंटेशन का रख-रखाव

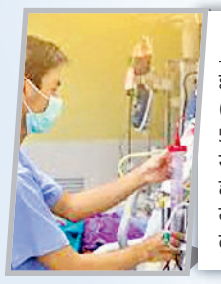

आवश्यक कौशल

इस कोर्स में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी का 12वीं कक्षा (**Physics**, **Chemistry**, **Biology**) न्यूनतम 50–55% अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। सरकारी संस्थानों में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है निजी संस्थानों में प्रवेश लेते समय **NCAHP** मान्यता, अस्पताल से संबद्धता और क्लिनिकल ट्रेनिंग सुविधा पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है।

सरकारी क्षेत्र में विकल्प

- सरकारी अस्पताल
- मेडिकल कॉलेज*
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
- राज्य एवं केंद्र सरकार की डायलिसिस योजनाएं

निजी क्षेत्र में विकल्प

- कॉर्पोरेट डायलिसिस चेन
- मल्टी-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल्स
- मेडिकल डिवाइस एवं हेल्थकेयर कंपनियाँ

अनुभव के साथ इस क्षेत्र में स्थिर नौकरी, आकर्षक वेतन और सामाजिक सम्मान प्राप्त होता है।

विदेश में करियर की संभावनाएं

डायलिसिस टेक्नोलॉजी एक ग्लोबली डिमांडेड स्किल है। भारत में अनुभव प्राप्त करने के बाद छात्र निम्न देशों में अवसर तलाश सकते हैं: **खाड़ी देश** : यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा (ब्रिज कोर्स / लाइसेंसिंग के बाद) अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डायलिसिस टेक्नोलॉजिस्ट्स की भारी मांग है, विशेषकर अनुभवी प्रोफेशनल्स के लिए।

बी.एससी. मेडिकल टेक्नोलॉजी (डायलिसिस थैरेपी टेक्नोलॉजी) एक ऐसा करियर है जो सेवा, तकनीकी दक्षता और मानवता: तीनों को एक साथ जोड़ता है।

मोटिवेशनल

टाइम मैनेजमेंट में मास्टर बनें

डॉ. दिव्या तंवर

मोटिवेशनल स्पीकर

कल्पना करो कि फोन उठाया "बस पांच मिनट" नोटिफिकेशन चेक करने के लिए, और अचानक दो घंटे निकल गए। परिचित लग रहा है ना? तुम अकेले नहीं हो। आजकल छात्र औसतन 4.8 घंटे रोज सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर बिताते हैं यानी हफ्ते में 35 घंटे से ज्यादा! इतना समय किसी नई स्किल सीखने, एग्जाम में टॉप करने या अपना सपना पूरा करने के लिए काफी है। सबसे अच्छी बात यह है कि सोशल मीडिया समय का चोर नहीं, बल्कि तुम्हारा सबसे स्मार्ट टीचर बन सकता है, बस तुम्हें इसे सही तरीके से इस्तेमाल करना है। यह फोन छोड़ने की बात नहीं है, बल्कि इसे सुपरपावर बनाने की बात है। तैयार हो? चलो शुरू करते हैं।

1. अपना समय ऑडिट करो (आँखें खोलने वाला कदम)

फोन में स्क्रीन टाइम चेक करो। ईमानदारी से देखो। ज्यादातर छात्र हैरान रह जाते हैं। चुनौती: रोज सिर्फ 30 मिनट माइंडलेस स्क्रोलिंग कम करो। हफ्ते में 3.5 घंटे एक्स्ट्रा मिल जाएंगे सीखने के लिए!

2. अपना फीड प्रोफेशनल तरीके से क्यूरेट करो

उन अकाउंट्स को अनफॉलो करो जो एनर्जी खाते हैं या तुलना का भाव जगाते हैं। फॉलो करो:

3. "लर्निंग स्क्रोल" का समय तय करो

टाइम-ब्लॉकिंग यूज करो:

- 25 मिनट पढ़ाई (पोमोडोरो) → 5 मिनट लर्निंग अकाउंट पर स्क्रोल
- या रोज शाम 30 मिनट "माइक्रो-लर्निंग" के लिए रखो — एक नया कॉन्सेप्ट, एक स्किल वीडियो।

4. देखना नहीं, करना सीखो

सिर्फ वीडियो मत देखो, एक्शन लो। पब्लिक स्पीकिंग का वीडियो देखा? खुद रिकॉर्ड करके प्रैक्टिस करो। कोडिंग ट्यूटोरियल देखा? छोटा प्रोजेक्ट बनाओ। नोट्स लिखो और किसी दोस्त को सिखाओ। इससे सीखना मजबूत होती है।

5. साफ लक्ष्य रखो और प्रोग्रेस ट्रैक करो

हर रविवार तय करो: "इस हफ्ते डिजिटल मीडिया पर मैं सीखूंगा/ङ्घ" (जैसे कंपाउंड इंटरेस्ट या बेसिक पाइथन)। हफ्ते के अंत में जो सीखा, उसे सेलिब्रेट करो। प्रोग्रेस देखना बहुत मोटिवेट करता है।

6. बैलेंस सबसे जरूरी है

डिजिटल डिटॉक्स का समय रखो -सोने से एक घंटा पहले या खाने के समय। बाहर घूमो, दोस्तों से मिलो, एक्सरसाइज करो। सबसे सफल छात्र जानते हैं कि कब लॉग ऑफ करना है।

लघु कथा

अपनापन

डॉ. अंजना गर्ग

कहानीकार

वृद्धाश्रम बहुत शानदार था। एसी कमरे, टीवी, डॉक्टर, नर्स, गार्डन... सब कुछ।

बस एक चीज नहीं थी—"अपनापन।"

रात के खाने के बाद बुजुर्ग अपने बच्चों की बातें कर रहे थे।

"मेरा बेटा लंदन में है..."

"मेरी बेटी ऑस्ट्रेलिया में डॉक्टर है..."

हर परिचय उपलब्धियों से शुरू होता और आँखों की नमी पर खत्म।

एक बुजुर्ग रमेश रोज शाम को वहाँ आते थे। किसी कमरे में नहीं जाते थे, बस गेट के पास बैठे बुजुर्ग मुकेश के साथ घंटों बातें करते।

घुमंतू ने रमेश जी से पूछा—"आप यहाँ तो नहीं रहते न ....."

वो मुस्कराए—"नहीं, मेरा घर पास में ही है।"

"फिर भी रोज इस वृद्धाश्रम में आते हैं?"

उन्होंने गेट की ओर टकटकी लगाए बैठे अपने दोस्त मुकेश को देखा और धीमे से बोले—

"इसका बेटा अमेरिका में है। पहले हर हफ्ते फोन करता था... फिर हर महीने.. अब कभी-कभी।

लेकिन ये आज भी हर शाम गेट की तरफ देखता है। इसे लगता है शायद आज बेटा अचानक सामने आ जाए। बस... इसलिए मैं रोज आ जाता हूँ। कम से कम मेरा दोस्त इंतजार अकेले तो न करे।"

घुमंतू ने वृद्धाश्रम की चमकती दीवारों को देखा और सोचा

- सुविधाएँ इंसान को आराम दे सकती हैं, लेकिन किसी अपने की कमी...पूरी नहीं कर सकती।

खबर संक्षेप

पेट्रो पदार्थों के दामों में वृद्धि के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन 20 को

सिरसा। जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से पेट्रोल और डीजल के दामों में की गई बढ़ोतरी के विरोध में 20 मई को सुबह 11 बजे उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन किया जाएगा। कांग्रेस नेता वीरभान मेहता, राजकुमार शर्मा, नवीन केडिया, अमीर चावला व आनंद बियानी ने संयुक्त रूप से बताया कि इस विरोध प्रदर्शन में पार्टी के सांसद, पूर्व सांसद, विधायक, पूर्व विधायक सहित पदाधिकारी व कार्यकर्ता बढ़-चढक़र भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ रही महंगाई से आम जनता पहले ही परेशान है। अब तेल की कीमतों में वृद्धि ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

सिरसा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में दी जीनियस सीनियर सेकंडरी स्कूल रानियां के विद्यार्थियों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन किए जाने पर स्कूल प्रबंधन ने उनका सम्मान किया है। विद्यालय की छात्रा शगुन ने 99 फीसदी अंक प्राप्त कर कॉमर्स स्ट्रीम में जिले में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं ऋषभ ने 95.6 फीसदी अंक प्राप्त कर साइंस स्ट्रीम में जिले में द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा पल्लवी ने 98.4 फीसदी अंक प्राप्त कर आर्ट्स स्ट्रीम में रानियां एवं ऐलनाबाद ब्लॉक में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। उल्लेखनीय है कि विद्यालय के कुल 124 विद्यार्थियों में से 55 विद्यार्थियों ने मेरिट सूची में स्थान प्राप्त किया।

कैबिनेट मंत्री ने वीटा प्लांट सिरसा का औचक निरीक्षण कर जांची व्यवस्थाएं

बागवानी अर्थव्यवस्था को नई दिशा देगा किन्नू प्लांट : डॉ अरविंद शर्मा

सिरसा। वीटा मिल्क प्लांट में अधिकारियों के साथ चर्चा करते तथा सिरसा में आयोजित ब्राह्मण सम्मान समारोह में भाग लेते मंत्री अरविंद शर्मा।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

हरियाणा के कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि हरियाणा एग्रो इंडस्ट्री और डेयरी फेडरेशन मिलकर सिरसा स्थित वीटा प्लांट परिसर में अत्याधुनिक किन्नू जूस प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित करने जा रहा है। इससे सिरसा व आसपास इलाके के किन्नू उत्पादकों को उनकी फसल का बेहतर मूल्य और उपभोक्ताओं को गुणवत्ता से भरपूर जूस उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि पीपीपी मोड पर स्थापित होने वाले इस प्लांट के लिए निजी क्षेत्र निवेशकों के प्रस्ताव मांगे गए हैं। मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने रविवार को सिरसा प्रवास के दौरान वीटा प्लांट सिरसा का औचक निरीक्षण करते हुए प्लांट की व्यवस्थाओं को जांचा। उन्होंने सीईओ दिनेश मेहता व अन्य अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे वीटा प्लांट की कार्यप्रणाली को प्रभावी बनाएं, ताकि किसानों और दुग्ध उत्पादकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की घोषणा के अनुरूप सिरसा में जल्द ही अत्याधुनिक किन्नू जूस प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के किन्नू उत्पादक किसानों को बड़ा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से किसानों की आमदनी बढ़ाने के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि सिरसा जिला बागवानी, विशेषकर किन्नू उत्पादन में पूरे प्रदेश में विशेष पहचान रखता है, यहां के किसानों द्वारा बड़े स्तर पर किन्नू की खेती की जाती है, लेकिन फसल के उचित प्रसंस्करण और विपणन की कमी के कारण किसानों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाता। इसी को ध्यान में रखते हुए किन्नू प्लांट स्थापित करने की योजना तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि वीटा प्लांट परिसर में तीन एकड़ जमीन को चिह्नित किया जा चुका है। इसे पीपीपी मोड पर स्थापित करने के लिए पीपीपी मोड पर किन्नू कैबिनेट कमेटी ऑफ सेक्रेट्रीज (कोसी) बैठक में भी चर्चा हो चुकी है। इसके बाद निजी क्षेत्र निवेशकों से प्रस्ताव मांगे गए हैं। उन्होंने कहा कि किन्नू प्लांट शुरू होने से किन्नू के साथ-साथ अन्य फलों से जूस तैयार किया जाएगा। इससे किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा। इसके साथ ही इलाके में फूड प्रोसेसिंग उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

ब्राह्मण सम्मान समारोह में की शिरकत

बेगू रोड स्थित भगवान परशुराम ब्राह्मण धर्मशाला में राष्ट्रीय ब्राह्मण सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। मंत्री ने कहा कि भगवान परशुराम भारतीय संस्कृति, ज्ञान, शौर्य और धर्म के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम का जीवन हमें अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने, सत्य के मार्ग पर चलने और समाज के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। आज के समय में युवाओं को भगवान परशुराम के आदर्शों को अपनाने की सबसे अधिक आवश्यकता है, क्योंकि आधुनिक जीवनशैली में नैतिक मूल्यों और संस्कारों का पतन हो रहा है। उन्होंने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं और यदि उन्हें सही दिशा व संस्कार दिए जाएं तो वे समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। भगवान परशुराम के विचार युवाओं को आत्मविश्वास, अनुशासन और समाज सेवा की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ युवाओं को अपनी संस्कृति और परंपराओं से भी जुड़े रहना चाहिए। इस अवसर पर पूर्व राज्यसभा सांसद डीपी वत्स, सिरसा ब्राह्मण आर्मी ट्रस्ट के संस्थापक पुनीत पंडित, प्रधान अर्जुन पंडित, सचिव हेमंत शर्मा, हैप्पी शर्मा, साहिल शर्मा, राज शर्मा, गौरव शर्मा, अंकुश शर्मा, पुनीत शर्मा, दयानंद शर्मा, सुभाष दधिच, बंसीधर जोशी, दीपक शर्मा आदि उपस्थित रहे।

सिरसा। नवप्रवेशी विद्यार्थियों तिलक लगाकर स्वागत करते।

नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत के लिए फ्रेशर्स मीट

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

गांव भरोखां स्थित संगम स्कूल में नवप्रवेशी विद्यार्थियों के स्वागत के लिए उत्साहपूर्ण वातावरण में फ्रेशर मीट आयोजित की गई जिसका उद्देश्य विद्यालय में नए प्रवेश लेने वाले बच्चों को विद्यालय के वातावरण से परिचित करवाना, उनमें आत्मविश्वास विकसित करना तथा विद्यालय परिवार के साथ अपनत्व की भावना स्थापित करना था। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को रंग-बिरंगे गुब्बारों, आकर्षक सजावट एवं मनमोहक कलात्मक सामग्री से विशेष रूप से सजाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के मुख्याध्यापक छगन सेठी द्वारा नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत के साथ हुआ। उन्होंने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा प्राप्त करने का स्थान नहीं, बल्कि संस्कार, अनुशासन, नैतिक मूल्यों और व्यक्तित्व निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने, अपने गुरुजनों एवं अभिभावकों का सम्मान करने तथा जीवन में उच्च लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। शिक्षा समिति की सचिव सुनीता सेठी ने सभी नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर, मिठाई खिलाकर एवं स्नेहपूर्वक स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान नर्सरी एवं प्राइमरी कक्षाओं की अध्यापिकाओं ने छोटे बच्चों के साथ मिलकर केक कटवाया और बच्चों को मिठाइयां वितरित कर खुशी सांझा की। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों को उपहार, टॉफियां एवं आकर्षक सामग्री वितरित की गई।

दिग्विजय चौटाला ने किया जन जन अभियान का शुभारंभ

सिरसा। जेजेपी नेता दिग्विजय सिंह चौटाला ने रविवार को युवा जेजेपी प्रदेशव्यापी जन-जन अभियान की शुरूआत डबवाली हलके के गांव घुकांवाली से की। पार्टी प्रवक्ता अमर सिंह ज्याणी ने बताया कि इसके बाद वे गांव बनवाला, रामगढ़, चकजालू, मुन्नावाली, गोदिकां, कालुआना, दारेवाला, बिज्जुवाली व रिसालियाखेड़ा में भी ग्रामीणों से मिले। अभियान के तहत विभिन्न गांवों में अनेक लोगों द्वारा दूसरी राजनीतिक पार्टियां छोडक़र जेजेपी में शामिल होने की घोषणा की गई। गांव अमर सिंह कालुआ ने परिवार सहित जननायक जनता पार्टी का दामन थामा। दिग्विजय सिंह चौटाला ने कालुआ परिवार व अन्य गांवों में जेजेपी में शामिल होने वालों का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए संगठन को मजबूती देने का आह्वान किया।

भाग्यश्री आश्रम ने 85 वर्षीय महिला को परिवार से मिलवाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

आज़ाद नगर स्थित सामाजिक संस्था भाग्यश्री सेवा संस्थान ट्रस्ट लगभग पांच वर्षों से इस उद्देश्य से कार्य कर रहा है कि कोई मानसिक विक्षिप्त मां, बहन फुटपाथ पर रहकर पशुओं जैसा जीवन ना जीएं, उनको सुरक्षित घर मिल सके, समय पर रोटी, कपड़ा और दवाइयां मिल सके। संस्था पांच वर्षों से समाज से वंचित महिलाओं को समाज से जोड़ने के लिए सामाजिक क्षेत्र में निरंतर तन मन धन से प्रयासरत है। एक मजबूत टीम के साथ आज़ाद नगर स्थित भाग्यश्री महिला आश्रम 75 मानसिक पीड़ित माताओं बहनों की शरण स्थली बना हुआ है। आश्रम का उद्देश्य ना केवल उनको रोटी, कपड़ा, दवाइयां आदि देना बल्कि उनके घर की तलाश कर सकुशल उनको परिवार के सुपुर्द करना भी है। परिवार से पुनर्मिलन की कड़ी को मज़बूत करते हुए आज फिर भाग्यश्री सेवा संस्था ने 183 वीं महिला को परिवार के सुपुर्द किया है। दरअसल सदर थाना पुलिस द्वारा एक 85 वर्षीय मानसिक पीड़ति बुजुर्ग को भाग्यश्री महिला आश्रम में छोड़ा गया था। भाग्यश्री आश्रम टीम और फतेहाबाद पुलिस स्टाफ के संयुक्त प्रयासों से महिला के परिजनों से सम्पर्क हुआ। अपनी मां की सूचना मिलते ही बेटा हिसार के चंदन नगर विकास नगर निवासी शमशेर अपनी मां को लेने आश्रम पहुंचा।

कार से कुचलकर युवक की हत्या मामले में चौथा आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। निकटवर्ती गांव खाजाखेड़ा में बीती 26 अप्रैल की रात कार से कुचलकर सोनू की हत्या करने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घटना में संलिप्त चौथे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। सदर थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक सोनू के पड़ोस में रहने वाले गांव खाजाखेड़ा निवासी सागर पुत्र रोहित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह सैलून का कार्य करता है। करीब एक वर्ष पूर्व एक पैलेस में आयोजित शादी समारोह के दौरान गुरु तेग बहादुर कॉलोनी निवासी जसविंद्र उर्फ बठल ने उससे नैपकिन मांगी थी, लेकिन सागर ने नैपकिन देने से मना कर दिया था। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी और झगड़ा हुआ था। उसी रंजिश को लेकर आरोपियों ने इस वारदात को अंजाम दिया।

बहबलपुर में जिला स्तरीय टूर्नामेंट 24-25 को

ग्रेपलिंग कमेटी की वार्षिक बैठक में पदाधिकारियों की नियुक्ति

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते सदस्य।

ग्रेपलिंग कमेटी हिसार की वार्षिक बैठक यहां हुई। बैठक में विगत वित्तीय वर्ष की गतिविधियों की समीक्षा की गई तथा ग्रेपलिंग खेल को और अधिक प्रोत्साहित करने एवं विस्तार देने पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में सर्वसम्मति से महत्वपूर्ण पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई। इसके तहत सुकरम पाल बेनीवाल को ग्रेपलिंग कमेटी हिसार का नया चेयरमैन, रामेश्वर दास को अनुशासन समिति का अध्यक्ष तथा अमृत पाल को संयुक्त सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक की अध्यक्षता कमेटी के अध्यक्ष रण सिंह पंवार ने की। उन्होंने ग्रेपलिंग खेल को ग्रामीण क्षेत्रों में लोकप्रिय बनाने और युवाओं को इससे जोड़ने पर जोर दिया। कमेटी की महासचिव रिनु बेनीवाल ने बताया कि 24-25 मई को सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बहबलपुर में जिला स्तरीय ग्रेपलिंग टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में सब-जूनियर, जूनियर, कैडेट, सीनियर तथा वेटरन श्रेणियों में महिला एवं पुरुष खिलाड़ी भाग लेंगे। लगभग 250 प्रतिभागियों के भाग लेने की उम्मीद है। पंजीकरण कार्य तेजी से चल रहा है।

जिला स्तरीय टूर्नामेंट आयोजित किए जा रहे

अनुशासन समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रामेश्वर दास ने बताया कि हरियाणा राज्य ग्रेपलिंग कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष विनोद स्वामी, महासचिव विनोद शर्मा के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में जिला स्तरीय टूर्नामेंट आयोजित किए जा रहे हैं। हरियाणा राज्य ग्रेपलिंग में प्रथम स्थान पर है। जिला स्तर पर चयनित खिलाड़ियों से मजबूत टीम तैयार होकर राज्य स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करेगी।

एनआईआरसी हिसार ब्रांच की कॉन्फ्रेंस 22-23 मई को

हिसार। चार्टर्ड अकाउंटेंट की संस्था एनआईआरसी हिसार ब्रांच के तत्वावधान में आईसीएआई की जीएसटी और अप्रत्यक्ष कर समिति द्वारा 22 व 23 मई को जीएसटी पर आधारित दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के चौ. रणबीर सिंह ऑडिटोरियम में आयोजित होने वाली इस कॉन्फ्रेंस का समय दोनों दिन प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक रहेगा। एनआईआरसी हिसार ब्रांच के चेयरमैन सीए अजय गोयल ने बताया कि जीएसटी आधारित कॉन्फ्रेंस में सीए जेके मित्तल, सीए नव्य मल्होत्रा, सीए विकास ओमार, सीए आंचल कपूर, सीए सौरभ जैन व सीए नेहा सुखीजा जीएसटी के विविध आयामों पर प्रकाश डालेंगे। इस दौरान हाल ही में जीएसटी में की गई नई अपडेट पर विशेष चर्चा होगी।

सेवा कार्य से बढ़कर किसी की जान बचाने के लिए किया रक्तदान : चंद्रप्रकाश

हरिभूमि न्यूज ⏭ आदमपुर

हिसार। शिविर में रक्तदाताओं व आयोजकों के साथ विधायक चंद्रप्रकाश।

विधायक चंद्रप्रकाश ने आदमपुर के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में जनता दरबार लगाकर लोगों की समस्याएं सुनी और हलकावासियों से मुलाकात की। इस दौरान लोगों ने पेयजल व बिजली की किल्लत की समस्या से अवगत करवाया। चंद्रप्रकाश ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से बात करके इन समस्याओं का तुरंत निदान करवाने की बात कही। जनता दरबार के उपरांत विधायक चंद्रप्रकाश ने कार्यकर्ताओं के साथ मंडी आदमपुर में आयोजित रक्तदान शिविर, विकलांग अधिकार मंच के सम्मेलन एवं संघर्ष समिति के धरना व प्रदर्शन में हिस्सा लिया। शहीद भगत सिंह युवा मंडल, एनजीओ लोक निर्माण व शनि मानव सेवा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रक्तदान शिविर में बतौर मुख्यातिथि पहुंचने पर चंद्रप्रकाश का फूल मालाओं व बुके से स्वागत-सत्कार किया गया। चंद्रप्रकाश ने कहा कि किसी की जान बचाने के लिए किया गया रक्तदान किसी भी सेवा कार्य से बढ़कर है।

गुजवि ने घोषित किया विभिन्न विषयों का परीक्षा परिणाम

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से विभिन्न विषयों के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए हैं। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. यशपाल सिंगला ने बताया कि दिसम्बर 2025 में आयोजित एमएससी योगा साइंस थेरेपी-178 प्रथम सेमेस्टर (रिअपीयर) बैच 2022-2024, बीटेक एमई-162 एनसीसी तृतीय सेमेस्टर (मेन) बैच 2023, बीटेक आईटी-14 एनसीसी पंचम सेमेस्टर (मेन) बैच 2022, बीटेक एमई-162 एनसीसी पंचम सेमेस्टर (मेन) बैच 2022, बीटेक ईसीई-152 एनसीसी तृतीय सेमेस्टर (मेन) बैच 2023, बीटेक ईसीई-152 एनसीसी पंचम सेमेस्टर (मेन) बैच 2022, एमटेक प्रिंटिंग तृतीय सेमेस्टर (रिअपीयर) बैच 2022 आदि परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए है।

रंगोत्सव आर्ट कैंप की तैयारियों को लेकर आकार वेलफेयर सोसायटी ने बुलाई बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। बैठक में मौजूद सोसायटी पदाधिकारी।

आकार वेलफेयर सोसायटी की ओर से बैठक का आयोजन किया गया। इसमें जून माह में होने वाले निःशुल्क तीसरे रंगोत्सव-2026 आर्ट कैंप की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि इस वर्ष भी यह कार्यक्रम जिंदल टावर पार्क में 31 मई से 7 जून तक आयोजित किया जाएगा। सोसायटी पदाधिकारियों ने बताया कि बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, मंच व्यवस्था, प्रतिभागियों के पंजीकरण, सांस्कृतिक गतिविधियों एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विचार-विमर्श किया गया। इसके साथ ही आयोजन को अनुशासित एवं समाज के सभी वर्गों के लिए उपयोगी बनाने को लेकर अपने सुझाव साझा किए गए। उन्होंने बताया कि रंगोत्सव-2026 का उद्देश्य कला, संस्कृति एवं सामाजिक एकता को बढ़ावा देना है, ताकि बच्चों एवं युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिल सके। सभी सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया।

नीट घोटाला देश के युवाओं के भविष्य पर हमला: सैलजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने एनईईटी परीक्षा में सामने आए कथित पेपर लीक और अव्यवस्थाओं को देश के करोड़ों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करार दिया है। सांसद ने कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों और शिक्षा व्यवस्था में बढ़ते भ्रष्टाचार ने मेहनती छात्रों और उनके परिवारों के सपनों को तोड़ दिया है। कुमारी सैलजा ने कहा कि 22 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं ने कठिन मेहनत के साथ परीक्षा दी, लेकिन लगातार सामने आ रहे पेपर लीक और गड़बडिय़ों ने पूरी परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल एक परीक्षा का मामला नहीं, बल्कि देश के युवाओं के भविष्य और उनके विश्वास का प्रश्न है। कुमारी सैलजा ने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम से देश स्तब्ध है और कई छात्रों के आत्महत्या जैसे दुखद कदम उठाने की खबरें अत्यंत पीड़ादायक और चिंताजनक हैं।

प्रभावित छात्रों को उचित न्याय दिया जाए

सांसद ने केंद्र सरकार से मांग की कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की जवाबदेही तय की जाए और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली की निष्पक्ष जांच कर कठोर कार्रवाई की जाए। सांसद ने कहा कि भाजपा सरकार संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) जांच से बचने का प्रयास कर रही है, जबकि देश का युवा पारदर्शिता और न्याय चाहता है। कुमारी सैलजा ने मांग की कि प्रभावित छात्रों को उचित न्याय और मुआवजा दिया जाए तथा प्रधानमंत्री इस गंभीर मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोडक़र देश के युवाओं के सामने स्पष्ट जवाब रखें। कुमारी सैलजा ने कहा कि युवा कांग्रेस और देशभर के छात्रों द्वारा उठाई जा रही आवाज वास्तव में देश के करोड़ों युवाओं की आवाज है। अब देश का युवा जवाब मांग रहा है और कांग्रेस पार्टी छात्रों के हितों की लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ती रहेगी।

नशा मुक्ति टीम की सराहनीय पहल

दो गरीब बच्चियों का दोबारा स्कूल में करवाया दाखिला

■ 9 नशा पीड़ितों ने स्वयं आगे आकर नशा छोड़ने की इच्छा जताई

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद। बच्चियों का स्कूल में दाखिला करवाते नशामुक्ति टीम सदस्य।

ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद द्वारा जिला पुलिस की देखरेख में लगातार पुनर्वास अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में एसआई सुंदर के नेतृत्व में टीम ने पढ़ाई छोड़ चुकी दो गरीब बच्चियों का दाखिला कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, खाई में करवाकर उन्हें दोबारा शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा। इसके बाद टीम ने गांव पिल्छियां में दो नुक्कड़ सभाएं आयोजित कर ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम से प्रेरित होकर गांव के 9 नशा पीड़ितों ने स्वयं आगे आकर नशा छोड़ने की इच्छा जताई। टीम ने सभी की काउंसलिंग की और उन्हें आयुर्वेदिक व होम्योपैथिक दवाइयां उपलब्ध करवाई। इसके अलावा गांव अहरवा के भी एक नशा पीड़ित को चिन्हित कर दवा व काउंसलिंग दी गई। टीम ने लोगों से अपील की है कि नशे की गिरफ्त में आए लोगों को छिपाने की बजाय उपचार के लिए आगे लाएं।

खबर संक्षेप

स्कूटी सवार युवक हेरोइन सहित दबोचा

डबवाली। पुलिस ने डबवाली क्षेत्र से स्कूटी सवार युवक को 6 ग्राम 35 मिलीग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। नारकोटिकस कंट्रोल ब्यूरो डबवाली यूनिट इंचार्ज रेशम सिंह ने बताया कि पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान बनवाला से होते हुए नुहियांवाली की तरफ जा रही थी। इसी दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि रविशंकर निवासी रत्ताखेड़ा हेरोइन करने की फिराक में है। पुलिस ने सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए स्कूटी सवार युवक को काबू कर तलाशी ली तो उसके कब्जे से 6 ग्राम 35 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस पूछताछ में पकड़े गए आरोपी की पहचान रविशंकर के रूप में हुई।

हेरोइन तस्करी मामले का मुख्य सप्लायर काबू

फतेहाबाद। थाना भुना पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए हेरोइन तस्करी के एक मामले में मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान इंदरजीत निवासी वार्ड नंबर 11, भूना के रूप में हुई है। इस मामले में एक आरोपी पहले ही जेल जा चुका है। पिछले दिनों सीआईए टोहाना के सब-इंस्पेक्टर जग्गा सिंह की टीम ने भुना-उकलाना रोड पर जैन मंदिर के पास से रामनिवास उर्फ काला को 16.31 ग्राम हेरोइन के साथ रंगे हाथों काबू किया था। आरोपी रामनिवास से हुई पूछताछ के आधार पर पुलिस ने मुख्य सप्लायर इंदरजीत उर्फ इंदर को गिरफ्तार किया।

झाड़ियों में छिप रहा तस्कर गांजे सहित काबू

फतेहाबाद। थाना शहर टोहाना पुलिस ने नशा तस्करों पर नकेल कसते हुए एक व्यक्ति को 1 किलो 900 ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि चंडीगढ़ रोड चौकी में तैनात एएसआई राम मेहर की टीम रेलवे स्टेशन के नजदीक इंडस्ट्रियल एरिया में गश्त पर थी। इसी दौरान पुलिस टीम को एक व्यक्ति हाथ में पीले रंग का वजनी पॉलीथीन बैग लेकर आता दिखाई दिया। पुलिस की गाड़ी देखकर वह घबरा गया और रेलवे लाइन के पास झाड़ियों में छिपने की कोशिश करने लगा।

मोबाइल व नकदी छीनने का चौथा आरोपी काबू

फतेहाबाद। थाना जाखल पुलिस ने रेलवे स्टेशन के पास एक राहगीर से मोबाइल फोन और नकदी छीनने के मामले में तत्परता दिखाते हुए एक और सह-आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए चौथे आरोपी की पहचान सूरज उर्फ धेरू निवासी जाखल के रूप में हुई है, जिसे अदालत ने न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। जाखल थाना प्रभारी उपनिरीक्षक सुरेश ने बताया कि रतिया निवासी राजन कुमार ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 13 मई की रात वह रेलवे स्टेशन अंडरब्रिज के पास से गुजर रहा था, तभी 4-5 युवकों ने उसे घेरकर जान से मारने की धमकी दी और उसका रेडमी का मोबाइल व 3 हजार रुपये छीनकर फरार हो गए।

फायदा : 25 फीसदी पानी की होगी बचत, रोपाई व अन्य खर्च भी होंगे कम

'मेरा पानी-मेरी विरासत' योजना लागू : धान की सीधी बिजाई शुरू, 15 जून तक मिलेगा मौका

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिले में गिरते भूजल स्तर को बचाने के लिए राज्य सरकार की 'मेरा पानी-मेरी विरासत' योजना के तहत धान की सीधी बिजाई (डीएसआर) का अभियान शुरू हो गया है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने 16 मई से किसानों को धान की सीधी बिजाई करने के निर्देश जारी किए हैं, जिसके बाद शनिवार से यह प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यह प्रक्रिया 15 जून तक चलेगी, जिसके बाद परंपरागत तरीके से धान की रोपाई शुरू होगी। सरकार ने योजना के तहत सीधी बिजाई करने वाले किसानों को प्रति एकड़ 4500 रुपये प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान रखा है। जिले में हर साल करीब साढ़े पांच लाख एकड़ भूमि पर धान की खेती होती है। ऐसे में धान की फसल सबसे ज्यादा पानी खपत करने वाली फसलों में शामिल है। लगातार गिरते भूजल स्तर को देखते हुए सरकार अब किसानों को पारंपरिक रोपाई के बजाय सीधी बिजाई अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है। जिले के रतिया, टोहाना और फतेहाबाद खंड में भूजल स्तर 200 फीट से नीचे पहुंच चुका है, जो चिंता का विषय बना हुआ है।

फतेहाबाद। धान की सीधी बिजाई करते किसान। फोटो : हरिभूमि

सीधी बिजाई से पानी और खर्च दोनों की बचत

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार धान की सीधी बिजाई से प्रति एकड़ लगभग 20 से 25 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है। साथ ही धान की नर्सरी तैयार करने और बाद में रोपाई कराने का खर्च भी बच जाता है। परंपरागत तरीके से धान की रोपाई में प्रति एकड़ लगभग 5000 रुपये तक लागत आती है, जबकि सीधी बिजाई में यह खर्च कम हो जाता है। विभाग का कहना है कि जो किसान पारंपरिक पद्धति छोड़कर सीधी बिजाई अपनाएंगे, उन्हें ही योजना का लाभ दिया जाएगा। इसके लिए किसानों को विभागीय पोर्टल पर पंजीकरण कराना जरूरी होगा।

क्या है योजना के फायदे

- प्रति एकड़ 4500 रुपये प्रोत्साहन राशि
- 20 से 25 प्रतिशत तक पानी की बचत
- नर्सरी तैयार करने और रोपाई का खर्च बचता है
- भूजल संरक्षण में मदद

क्यों पिछड़ रही योजना

- पिछले साल किसानों को समय पर प्रोत्साहन राशि नहीं मिली
- भुगतान में देरी से किसानों का भरोसा कम हुआ
- कई किसान दोबारा पारंपरिक तरीके की ओर लौट रहे
- पिछले साल की राशि का अब भी इंतजार

पिछले साल लक्ष्य अधूरा, इस बार तैयारी जारी

जिले में इस वर्ष सीधी बिजाई का लक्ष्य अभी तय नहीं किया गया है, लेकिन विभाग जल्द ही लक्ष्य निर्धारित करेगा। पिछले साल जिले में 75 हजार एकड़ क्षेत्र में धान की सीधी बिजाई का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन वास्तविकता में केवल 15 हजार एकड़ में ही किसान इस तकनीक को अपना सके थे। योजना को लेकर किसानों की रुचि अपेक्षा से कम रही।

किसानों ने उठाए सवाल

कई किसानों ने योजना की भुगतान प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। किसानों ओमप्रकाश, हर्षदीप और सुरजीत सिंह ने बताया कि उन्होंने पिछले वर्ष कृषि विभाग के आह्वान पर धान की सीधी बिजाई की थी, लेकिन अब तक उन्हें प्रोत्साहन राशि नहीं मिली। किसानों का कहना है कि सीधी बिजाई से पानी की बचत जरूर होती है, लेकिन यदि सरकार समय पर वादा पूरा नहीं करेगी तो किसान इस तकनीक को अपनाने से पीछे हट जाएंगे।

अधिकारी बोले : पंजीकरण कर, जल संरक्षण में सहयोग दें

विभाग के तकनीकी सहायक डॉ. राजपाल ने किसानों से अपील की है कि वे धान की परंपरागत रोपाई के बजाय सीधी बिजाई को अपनाएं। उन्होंने कहा कि जो किसान इस तकनीक से खेती कर रहे हैं, वे विभागीय पोर्टल पर पंजीकरण कराएं ताकि योजना का लाभ मिल सके। साथ ही गिरते भूजल स्तर को बचाने के लिए सरकार के प्रयासों में सहयोग करें।

स्नातक, स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए बनी मेरिट छात्रवृत्ति योजना

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

हरियाणा सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा मेधावी एवं आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के लिए हरियाणा राज्य योग्यता छात्रवृत्ति योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के माध्यम से स्नातक, स्नातकोत्तर, एमफिल और पीएचडी स्तर तक अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, ताकि वे बिना आर्थिक बाधा के अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।

योजना का उद्देश्य ऐसे विद्यार्थियों को सहायता उपलब्ध करवाना है, जिन्होंने योग्यता परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त किए हैं और उच्च शिक्षा हासिल करना चाहते हैं। इस योजना के तहत पंजाब विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय अथवा सरकार द्वारा अधिसूचित अन्य मान्यता प्राप्त परीक्षा निकायों से शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। इसके साथ ही आवेदक के माता-पिता या अभिभावक भारत के नागरिक एवं हरियाणा राज्य के निवासी होना अनिवार्य है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित छात्रवृत्ति राशि पाठ्यक्रम के अनुसार प्रदान की जाती है। 10+2 स्तर के विद्यार्थियों को 300 रुपए प्रतिमाह, डिग्री स्तर के विद्यार्थियों को 450 रुपए प्रतिमाह तथा बी.एड, एम.फिल एवं पीएचडी पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को 900 रुपए प्रतिमाह तक छात्रवृत्ति दी जाती है। यह राशि पूरे शैक्षणिक वर्ष यानी 12 माह तक मासिक आधार पर प्रदान की जाती है और सीधे विद्यार्थियों के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से भेजी जाती है।

योजना का लाभ लेने के लिए ये हैं मापदंड

योजना के लिए आवेदक का हरियाणा का स्थायी निवासी होना जरूरी है। विद्यार्थी ने मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण की हो तथा हरियाणा या चंडीगढ़ के किसी मान्यता प्राप्त उच्च शिक्षण संस्थान में नियमित पाठ्यक्रम में दाखिला लिया हो। इसके अलावा योग्यता परीक्षा में कम से कम द्वितीय श्रेणी प्राप्त करना आवश्यक है। ग्रामीण योग्यता छात्रवृत्ति के लिए विद्यार्थियों को सेकंडरी परीक्षा में न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त होने चाहिएं। योजना के तहत विद्यार्थियों को संस्थान के नियमों, उपस्थिति एवं अनुशासन का पालन करना अनिवार्य होगा। यदि कोई विद्यार्थी वार्षिक परीक्षा में असफल रहता है, अनुशासनहीन गतिविधियों में शामिल पाया जाता है या बिना अनुमति किसी अन्य संस्थान अथवा पाठ्यक्रम में प्रवेश लेता है, तो उसकी छात्रवृत्ति रद्द की जा सकती है। साथ ही किसी अन्य स्रोत से योग्यता आधारित छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले विद्यार्थी इस योजना के पात्र नहीं होंगे।

सिरसा। प्रवचन सुनते हुए श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

ईश्वर को जाने बिना वास्तविक सुख की प्राप्ति संभव नहीं: साध्वी चंदा

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा रविवार को साप्ताहिक सत्संग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में साध्वी चंदा भारती ने कहा कि वास्तविक सुख की प्राप्ति तभी संभव है, जब व्यक्ति ईश्वर को जाने, माने और अनुभव करे। उन्होंने कहा कि मनुष्य बाहरी वस्तुओं में सुख खोजता है, जबकि स्थायी सुख आत्मिक शांति में निहित है।

साध्वीश्री ने बताया कि भौतिक संसार में व्यक्ति थोड़ी देर के लिए सुख का अनुभव कर सकता है, लेकिन वह स्थायी नहीं होता। मनुष्य जितना भी धन, पद, प्रतिष्ठा या भौतिक वस्तुएं प्राप्त कर ले, उसके भीतर की शांति तभी संभव है जब वह अपने वास्तविक स्वरूप और ईश्वर को पहचान ले। उन्होंने कहा कि ईश्वर की अनुभूति के बिना जीवन अधूरा है। इसके लिए मनुष्य को आध्यात्मिक मार्ग अपनाना चाहिए और सत्संग, सेवा व साधना के माध्यम से अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहिए। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से भाग लिया और अंत में सभी ने मानवता एवं विश्व शांति के लिए प्रार्थना की।

मास्टर प्रीमियर लीग, मंगत के आक्रामक शतक से कलोठा स्ट्राइक 137 रन से जीता

रतिया। राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल मैदान में चल रही मास्टर प्रीमियर लीग में कलोठा स्ट्राइक ने मंगत के शानदार शतक की बदौलत ग्रोवर सुपर किंग को एकतरफा मुकाबले में 137 रनों से शिकस्त दी। ?टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी कलोठा स्ट्राइक की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में मंगत के आक्रामक 107 रनों के शतक की मदद से 268 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में भारी-भरकम लक्ष्य का पीछा करने उतरी ग्रोवर सुपर किंग की पूरी टीम महज 131 रनों पर सिमट गई। कलोठा स्ट्राइक ने मैच 137 रन से अपने नाम किया। ?प्रतियोगिता के एक अन्य बेहद रोमांचक मुकाबले में मेहर सुपर किंग्स ने निधि ग्लास वॉरियर्स को 6 रन से हरा दिया। टॉस जीतकर पहले खेलने उतरी मेहर सुपर किंग्स की टीम 16.2 ओवर में 137 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से बबलू सिपनर ने 32 गेंदों पर 4 चौकों व 4 छक्कों की मदद से 54 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। पिंदी खोखर ने 17 गेंदों पर 25 रन बनाए। निधि ग्लास वॉरियर्स की ओर से गेंदबाजी में बिट्टू सैनी ने 24 रन देकर 3 और हैरी मोनू ने 26 रन देकर 3 विकेट झटके। ?लक्ष्य का पीछा करने उतरी निधि ग्लास वॉरियर्स की टीम 17.4 ओवर में 8 विकेट खोकर 131 रन ही बना सकी। बबलू सिपनर को उनके शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। इस दौरान नागपुर गांव के ब्लॉक समिति उपप्रधान मनी और कुलविंदर जी बतौर अतिथि उपस्थित रहे। स्कोरर की भूमिका सौरभ जिंदल ने निभाई।

शानदार रहा शाहपुरिया स्कूल का परिणाम

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित 10वीं व 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणामों में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शाहपुरिया के विद्यार्थियों ने स्कूल स्टाफ के मार्गदर्शन व अपनी मेहनत से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। स्कूल के प्रवक्ता रतिराम सुथार ने बताया कि स्कूल के दस जमा दो कक्षा के कुल 33 बच्चों ने इस परीक्षा में भाग लिया, जिनमें से 20 बच्चों ने मैरिट में स्थान प्राप्त किया। यह ब्लॉक का पहला स्कूल है, जिसमें 20 बच्चों ने एक साथ मैरिट प्राप्त की है, जोकि सभी के विश्वास और टीम शाहपुरिया स्कूल के कर्मठ, मेहनती, लग्नशील और समर्पित स्टाफ सदस्यों के कारण संभव हो पाया है। उन्होंने बताया कि हिमांशु ने 472/500 (94.4 प्रतिशत), खुशबू ने 471/500 (94.2 प्रतिशत), कपिल देव ने 459/500 (91.8 प्रतिशत) व फाइन आर्ट में 10 बच्चों ने 100 में से 100 अंक प्राप्त किए हैं। इसी प्रकार

सिरसा। परीक्षा में अव्वल रहे विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

दसवीं कक्षा का परिणाम भी शानदार रहा। रतिराम सुथार ने बताया कि अंजनी ने 476/500 (95.2 प्रतिशत), अंकिता ने 464/500 (92.8 प्रतिशत), पिंकी ने 462/500 (92.4 प्रतिशत), सक्षम ने 462/500 (92.4 प्रतिशत) अंक प्राप्त किए। दसवीं कक्षा के कुल 52 बच्चों में से 20 मैरिट में रहे। शानदार परीक्षा परिणाम पर स्टाफ सदस्यों ने विद्यार्थियों व अभिभावकों को शुभकामनाएं दी हैं।

भाविप ने समाज को दी नई दिशा : जग्गा

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा। भाविप के दायित्व ग्रहण समारोह में शपथ लेते सदस्य।

भारत विकास परिषद की शहीद भगत सिंह शाखा द्वारा न्यू सतलुज सीनियर सेकेंडरी स्कूल में दायित्व ग्रहण एवं परिवार मिलन समारोह हुआ जिसमें शाखा के सदस्यों एवं परिवारजनों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

इस अवसर पर विनोद कुमार जग्गा ने कहा कि परिषद परिवार भावना, संस्कार एवं सेवा के माध्यम से समाज को एक नई दिशा देने का कार्य कर रही है। समारोह के दौरान परिषद के नए दायित्वधारियों ने समाज सेवा, सांस्कृतिक गतिविधियों एवं संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं, बच्चों एवं सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उपस्थित वक्ताओं ने भारतीय संस्कृति, सामाजिक एकता एवं सेवा भावना को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। अंत में शाखा संरक्षक वी.के. जग्गा द्वारा सभी अतिथियों, सदस्यों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 8291554800, 7988727916

शिविर

शिविर में महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

दैनिक जीवन में स्वच्छता से महिलाएं स्वयं को गंभीर बीमारियों से रख सकेंगी सुरक्षित : मुंजाल

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

सिटी वेलफेयर क्लब की महिला विंग द्वारा स्थानीय आदर्श कॉलोनी में एक विशेष महिला जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और युवा लड़कियों को शारीरिक स्वास्थ्य, स्वच्छता और मासिक धर्म से जुड़ी समस्याओं के प्रति जागरूक करना था। शिविर में मुख्य वक्ता के तौर पर पहुँचीं युवा सामाजिक कार्यकर्ता अनुष्का मुंजाल ने उपस्थित महिलाओं और युवतियों को संबोधित किया। उन्होंने अनियमित माहवारी और इस दौरान बरती जाने वाली जरूरी स्वच्छता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अनुष्का मुंजाल ने कहा कि यदि महिलाएं अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता का पूरा ध्यान रखेंगी, तो वे कई प्रकार की गंभीर बीमारियों और इन्फेक्शन की चपेट में आने से खुद को सुरक्षित रख सकती हैं। झिझक छोड़कर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होना आज के समय की बड़ी जरूरत है।

फतेहाबाद। जागरूकता शिविर में भाग लेती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

ये है मामला

शिविर के दौरान सामाजिक सरोकार निभाते हुए संस्था की ओर से उपस्थित सभी महिलाओं और युवा लड़कियों को सैनिटरी पैड वितरित किए गए। इसके साथ ही उन्हें पौष्टिक खाने-पीने का सामान भी प्रदान किया गया, ताकि वे अपने पोषण के प्रति भी सतर्क रहें। कार्यक्रम को सफल बनाने में सिटी वेलफेयर क्लब की महिला विंग की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर महिला विंग की संरक्षक वीना भ्याना, रेनू जग्गा, डिंपल जग्गा, सुमन शर्मा और कमलेश चलाना सहित कई अन्य गणमान्य सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहीं।

न्यूज डायरी

नप चेयरमैन ने किया योग शिविर का शुभारंभ

सिरसा। पतंजलि योग समिति व भारत स्वाभिमान न्यास के अंतर्गत चौधरी देवीलाल चिल्ड्रन पार्क में चल रहे 16 दिवसीय योग शिविर का 9वें दिन नगरपरिषद सिरसा के चेयरमैन वीर शांति स्वरूप व राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल फूलकां के प्रिंसिपल देवकी नंदन कौशिक ने योग शिविर का शुभारंभ किया। वीर शांति स्वरूप ने इस अवसर पर योग के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। प्राचार्य देवकीनंदन कौशिक ने भी योग के महत्व के बारे में कहा कि स्वामी रामदेव ने योग को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया है। उल्लेखनीय है कि शिविर के 9 दिनों में राज्य प्रभारी हरियाणा चंद्रपाल योगी ने योग व आहार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने योग को अपनी जीवनशैली में अपनाने का आह्वान किया ताकि आमजन स्वस्थ व निरोग रह सके। उन्होंने योग क्रियाएं, आसन जैसे मंडुकासन, वृक्षासन, ताड़ासन, चक्रासन तथा प्राणायाम कपाल भाति, अनुलोम, विलोम, ब्राहमी का अभ्यास व ध्यान करवाया तथा प्राणायाम के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। सह राज्य प्रभारी विनोद आर्य ने प्राणायाम, अलोम-विलोम, कपाल भाति, भस्त्रिका का अभ्यास करवाया व गीत द्वारा साधकों को मंत्रमुग्ध किया। महासचिव विरेंद्र नागपाल ने हास्य आसन, ताली का अभ्यास करवाया। जिला प्रभारी जयप्रकाश ने साधकों को गिलोय का काढ़ा पिलाया। शिविर में मीडिया प्रभारी विवेक कुमार, खैरातलाल, विजय कुमार, महिंद्र, देवीलाल, पदम, श्यामलाल, सुशील, रमेश सेठी, राजकुमार निजात, कुलवंत सेठी, राकेश, सरोज बाला, ज्योति, बेबी गरिमा, सरोज, पूनम, सुमन, जोगिंद्र इत्यादि ने भाग लिया।
फोटो:17सिरसा05: शिविर में योगा करते साधक।

युवक 7 ग्राम 95 मिलीग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार

सिरसा। एंटी नारकोटिक्स सेल पुलिस टीम ने गश्त के दौरान गांव कर्मगढ़ क्षेत्र से एक युवक को हजारों रुपए की 7 ग्राम 95 मिलीग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। सेल प्रभारी सुखजीत सिंह ने बताया कि नारकोटिक्स सेल सिरसा की एक पुलिस टीम गश्त के दौरान गांव कर्मगढ़ क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान सामने से एक युवक पैदल आता दिखाई दिया जो पुलिस की गाड़ी को देखकर वहां से फरार होने का प्रयास करने लगा। शक के आधार पर पुलिस ने युवक को काबू कर उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जे से 7 ग्राम 95 मिलीग्राम हैरोइन बरामद हुई। आरोपी की पहचान लेखराज निवासी गांव पंजुआना, जिला सिरसा के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ थाना बडागुढ़ा में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बंद मकान का ताला तोड़कर चोरी का आरोपी काबू

फतेहाबाद। थाना सदर रतिया पुलिस ने एक घर में हुई चोरी की वारदात को सुलझाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान सतबीर सिंह उर्फ सतु निवासी अलीका के रूप में हुई है। थाना सदर रतिया प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि गांव अलीका निवासी सन्नी कुमार ने शिकायत दी थी कि 13 मई को वह अपने परिवार के साथ सिरसा गया हुआ था। अगले दिन जब वह लौटा तो घर के ताले टूटे हुए थे और अंदर से रसोई का गैस सिलेंडर व सोने की दो छोटी बालियां गायब थीं। पुलिस ने बीएनएस के तहत केस दर्ज कर तफ्तीश शुरू की और आरोपी सतबीर सिंह को चोरी के सामान सहित काबू कर लिया।

बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर सतर्क रहें : एसपी

फतेहाबाद। जिला पुलिस ने बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर आमजन के लिए एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने अभिभावकों से अपील की है कि वे बच्चों की इंटरनेट व सोशल मीडिया गतिविधियों पर विशेष ध्यान दें और उन्हें साइबर अपराधों से बचाने के लिए समय-समय पर जागरूक करें। एसपी निकिता खट्टर ने बताया कि वर्तमान में बच्चे मोबाइल, सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेमिंग का अधिक उपयोग कर रहे हैं। साइबर अपराधी बच्चों को आसान निशाना बनाकर फर्जी लिंक, चैट और वीडियो कॉल के माध्यम से ठगी, ब्लैकमेलिंग व डेटा चोरी जैसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। सुरक्षा के लिए मुख्य सावधानियों बारे एसपी ने कहा कि बच्चों को अनजान लोगों से चैटिंग या वीडियो कॉल करने से रोकें।

दीपक कम्बोज की फिल्म दस्तार 17 जुलाई को होगी रिलीज

रतिया। शहर के युवा कलाकार दीपक कम्बोज की फिल्म दस्तार 17 जुलाई को रिलीज होने जा रही है। इस खबर के बाद से ही स्थानीय लोगों और कला प्रेमियों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। कलाकार दीपक के भाई एडवोकेट विक्रम कंबोज ने मीडिया से बातचीत में बताया कि इस फिल्म में दीपक ने एक बेहद शानदार, दमदार और प्रभावशाली भूमिका निभाई है। विक्रम कंबोज ने कहा कि अपने स्थानीय कलाकार को पर्दे पर देखकर उनका हौसला बढ़ाएं और उन्हें प्रोत्साहित करें, ताकि वे भविष्य में और आगे बढ़ सकें। सभी को पूरी उम्मीद है कि दीपक कम्बोज अपनी बेहतरीन अदाकारी के दम पर न सिर्फ इस फिल्म को कामयाब बनाएंगे, बल्कि भविष्य में भी रतिया का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन करते रहेंगे।

तिरूपति कॉलेज के विद्यार्थियों ने लहराया परचम

रतिया। सीडीएलयू सिरसा द्वारा घोषित एमएड द्वितीय वर्ष, तृतीय सेमेस्टर के परीक्षा परिणामों में तिरूपति शिक्षण संस्थान, रतिया के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए संस्थान का नाम रोशन किया है। संस्थान में कनक ने 600 अंकों में से 476 अंक प्राप्त कर महाविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया है। इसी क्रम में अमरजीत कौर ने 444 अंकों के साथ द्वितीय स्थान तथा रमनदीप कौर व पुष्पा रानी ने 441 अंकों के साथ संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यार्थियों के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर हर्ष व्यक्त करते हुए संस्था के चेयरमैन प्रवीण गोयल एवं डायरेक्टर सौरभ गोयल ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को बधाई दी। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष कुमुद गोयल, सरिता गोयल, अमित कुमार, भारती अरोड़ा व सतनाम दास, डॉ स्नेहलता, डॉ मनजीत कौर, हरमनदीप कौर आदि रहे।

24 को होगा नागपुर कमेटी का विस्तार

रतिया। कम्बोज संघर्ष समिति की बैठक कम्बोज धर्मशाला में आयोजित की गई, जिसमें समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता संयुक्त रूप से राजू लाली, राकेश कम्बोज तथा राज कम्बोज लाली ने की। बैठक में नागपुर ब्लॉक से प्रमुख रूप से राकेश सरपंच, अशोक नंबरदार तथा अविनाश कम्बोज ने भाग लिया। बैठक में समाज में भाईचारा मजबूत करने, युवाओं को संगठित करने तथा सामाजिक समस्याओं के समाधान हेतु मिलजुलकर कार्य करने पर जोर दिया गया, वहीं नागपुर क्षेत्र में कमेटी के विस्तार को लेकर अगली बैठक 24 मई को आयोजित करने का प्रस्ताव मंगा मढ द्वारा रखा गया। इस अवसर पर अनिल कम्बोज, ज्ञान लाली, श्याम कम्बोज, भगवान दास, बलविंदर बबला, रोहित पुरी, देसराज, मुरारी लाल आदि रहे।